संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 281
पृष्ठ 8
गुरूवार
03 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आपातकाल और शरद यादव! शरद यादव

विचार- पॉटी रोकने की आदत बना सकती...

खेल- शमी ने मुझे नौकरी छोड़ने को कहा...

जन शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित करें अधिकारी : योगी

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन: सीएम ने सुनी 200 लोगों की सुनी शिकायतें

गोरखपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन शिकायतों के त्वरित और पारदर्शी तरीके से समाधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए बुधवार को कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं। एक बयान के अनुसार उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता और पारदर्शिता से किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा और सभी के प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को परेशान करने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

पांच देशों की मेरी यात्रा से दक्षिण के देशों के साथ सहयोग संबंध मजबूत होंगे-मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अफ्रीकी, कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिका के पांच देशों की यात्रा के लिए रवाना होने से पूर्व कहा कि उनकी इस यात्रा से दक्षिणी गोलार्ध के विकासशील देशों के साथ भारत के संबंधों को और बल मिलेगा। श्री मोदी ने घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा की आठ दिन की यात्रा पर सुबह घाना के लिए प्रस्थान किया और वह नामीबिया होकर लौटेंगे। इस दौरान वह ब्राजील के रियो डी जनेरियों में होने जा रही ब्रिक्स शिखर बैठक में भाग लेंगे और ब्रिक्स देशों के शासनाध्यक्षों और राष्ट्राध्यक्षों के साथ अलग से भी बातचीत करेंगे। राजधानी से प्रस्थान करने से पूर्व एक वक्तव्य में श्री मोदी ने कहा, आज मैं 02 से 09 जुलाई 2025 तक घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की पाँच देशों की यात्रा पर जा रहा हूँ।श उन्होंने कहा ,श्मुझे विश्वास है कि पाँच देशों की मेरी इस यात्रा से वैश्विक दक्षिणी देशों के साथ हमारी मित्रता को और बल मिलेगा, अंध महासागर के दोनों किनारों पर हमारी साझेदारी मजबूत होगीऔर ब्रिक्स, अफ्रीकी संघ, इकोवास और कैरीकॉम जैसे बहुपक्षीय मंचों के साथ हमारा जुड़ाव गहरा होगा। प्रधानमंत्री चार और पांच जुलाई को अर्जेंटीना में होंगे और वहां से ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील के रियो डि जेनेरियो जायेंगे और वहां पांच से सात जुलाई तक ब्रिक्स की बैठकों में हिस्सा लेंगे।श्री मोदी सात एवं आठ जुलाई को ब्राजील में राजधानी ब्राजीलिया की यात्रा पर होंगे और नौ जुलाई को नामिबिया पहुंचेंगे। श्री मोदी की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जबकि विश्व में भू–राजनीतिक तनाव और अनिश्चितताएं बढ़ रही है, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई एक बड़ा मुद्दा है तथा अमेरिका की ओर से भारत और अन्य देशों के खिलाफ व्यापार पर ऊंचा प्रशुल्क लगाने का खतरा है जिससे वैश्विक व्यापार और विकास प्रभावित हो सकता है। श्री मोदी अपनी इस यात्रा के पहले चरण में आज अपराह्न घाना पहुंचेंगे। राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा के निमंत्रण पर वह 03 जुलाई तक घाना में होंगे। उन्होंने घाना को दक्षिणी जगत में भारत का एक मूल्यवान भागीदार बताया है और कहा है कि यह देश अफ्रीकी संघ और पश्चिमी अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि वह घाना की इस यात्रा में वहां के नेताओं के साथ ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा करने और निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, क्षमता निर्माण और विकास साझेदारी के क्षेत्रों सहित सहयोग की नयी संभावनाएं निकालने पर बातचीत करेंगे। श्री मोदी घाना की संसद को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि वहां की संसद में उनका संबोधन भारत के लिए सम्मान की बात होगी। प्रधानमंत्री 3–4 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो में रहेंगे।

सिन्हा ने श्री अमरनाथ यात्रा के तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाई

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को भगवती नगर आधार शिविर श्री अमरनाथ पवित्र गुफा की तीर्थयात्रा के लिए श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाई और सुरक्षित और आनंदमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। उपराज्यपाल ने कहा, श्यह पवित्र तीर्थयात्रा आस्था और आत्म–खोज की यात्रा है। सभी आध्यात्मिक साधकों को भगवान शिव के पवित्र निवास और गहरी आत्मा को झकझोर देने वाले अनुभव की सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की शुभकामनाएं।

उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रशासन, जम्मू–कश्मीर के लोग श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, जम्मू–कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने तीर्थयात्रियों के लिए व्यापक व्यवस्था की है।उपराज्यपाल ने कहा श्आज बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहले जत्थे में 4,500 से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुए। जम्मू शहर एक नई जीवंतता के साथ जीवंत हो उठा है। तीर्थयात्रियों का उत्साह बहुत अधिक है। आतंकवादी घटनाओं से बेपरवाह, भोले बाबा के भक्त भारी संख्या में पहुंच रहे हैं, जो अपनी अपार आस्था का प्रदर्शन कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि इस साल की यात्रा पिछले वर्षों की तुलना में और भी ऐतिहासिक होगी।श कार्यक्रम में नागरिक प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बल और श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

जनता कर्ज में डूब रही और मोदी के परम मित्र मुनाफा कमा रहे हैं, कांग्रेस का केंद्र सरकार पर वार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने व्यक्तिगत कर्जदारों के प्रति व्यक्ति कर्ज में वृद्धि को लेकर बुधवार को केंद्र पर निशाना साधा और कहा कि सरकार आंकड़ों और विशेषज्ञों का सहारा लेकर वास्तविक कमियों को छिपाने का लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन श्मोदी राजश में देश पर कर्ज का बोझ चरम पर है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सरकार पर हमला करने के लिए मीडिया रिपोर्टों के स्क्रीनशॉट साझा किए। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार ने पिछले ग्यारह सालों में देश की अर्थव्यवस्था का बंटाधार कर दिया है। लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में कोई प्रयास नहीं किया गया, केवल पूंजीपति मित्रों के लिए सारी नीतियां बनाई गईं, जिसके नुकसान आज देश की जनता भुगत रही है। यह सच्चाई किसी न किसी तरह हर रोज हमारे सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ताजा रिपोर्ट से भारत की अर्थव्यवस्था की चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। सरकार कि ओर से आंकड़ेबाजी और एक्सपर्ट्स का सहारा लेकर असली कमियों को छुपाने की कोशिश लगातार जारी है, लेकिन इस सच्चाई से कोई इनकार नही कर सकता कि देश पर कर्ज का बोझ मोदीराज में चरम पर है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 2 साल में प्रति व्यक्ति कर्ज घ90,000 बढ़कर घ4.8 लाख हो गया है। आमदनी का 25.7: हिस्सा सिर्फ कर्ज चुकाने में जा रही है। सबसे ज्यादा 55: लोन तथाकथित रूप से क्रेडिट कार्ड, मोबाइल EMI आदि के लिए जा रहा है, जिसका मतलब है इस महंगाई में परिवारों की आय में उनका गुजारा नहीं हो रहा है और वे कर्ज लेने पर मजबूर हैं। असुरक्षित कर्ज 25 प्रतिशत पार हो चुका है।

हेमंत खंडेलवाल मध्यप्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष घोषित

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के बैतूल से भारतीय जनता पार्टी विधायक और पूर्व सांसद हेमंत खंडेलवाल को प्रदेश इकाई का नया अध्यक्ष घोषित किया गया है। मध्यप्रदेश के लिए भाजपा के निर्वाचन अधिकारी केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यहां प्रदेश कार्यालय में आयोजित समारोह में उनके नाम की घोषणा की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा भी मंच पर उपस्थित रहे। इसके पहले कल प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन जमा किए जाने के लिए नियत दिन पर सिर्फ श्री खंडेलवाल का ही नामांकन आने के साथ उनका इस पद पर चुना जाना तय हो गया था।

पेशे से व्यवसायी श्री खंडेलवाल वर्तमान में आदिवासी क्षेत्र बैतूल से विधायक हैं। वे इसके पहले 2007 से 2008 तक लोकसभा सांसद और 2010 से 2013 तक भाजपा बैतूल जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। लगभग 60 वर्षीय श्री खंडेलवाल 2013 में चौदहवीं विधानसभा के सदस्य चुने गए। इसके बाद 2014 से 2018 तक वे भाजपा की प्रदेश इकाई के कोषाध्यक्ष रहे। वर्ष 2023 में वे दूसरी बार विधायक चुने गए। वे श्री कुशाभाउ ठाकरे ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। श्री खंडेलवाल की पारिवारिक पृष्ठभूमि भाजपा की ही है। उनके पिता विजय खंडेलवाल भी लगातार चार बार बैतूल से पार्टी के सांसद रहे। श्री खंडेलवाल बैतूल से ताल्लुक रखते हैं, जो आदिवासी क्षेत्र है। इस आदिवासी क्षेत्र में भाजपा और आरएसएस के कई सेवा प्रकल्प संचालित होते हैं, जिनसे श्री खंडेलवाल जुड़े हैं। सहज छवि वाले श्री खंडेलवाल संघ और मुख्यमंत्री डॉ यादव के बेहद करीबी माने जाते हैं। श्री खंडेलवाल के बारे में माना जाता है कि वे पर्दे के पीछे रह कर काम करना पसंद करते हैं। उन्हें सत्ता और संगठन के बीच समन्वय की क्षमता के चलते भी इस पद के लिए बेहद सक्षम माना जा रहा है।

11 जुलाई को ओडिशा पहुंचेंगे राहुल गांधी, संविधान बचाओ रैली को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अभियान के तहत 11 जुलाई को ओडिशा का दौरा करेंगे। कांग्रेस नेता के भुवनेश्वर के बारामुंडा मैदान में आयोजित होने वाली 'संविधान बचाओ' नामक सार्वजनिक रैली में शामिल होने की संभावना है। इस रैली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल भी शामिल होंगे। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस समिति (पीसीसी) के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने मंगलवार को उच्च स्तरीय भागीदारी की पुष्टि करते हुए अपडेट साझा किया। इस यात्रा से पहले, कांग्रेस पार्टी ने भुवनेश्वर स्थित कांग्रेस भवन में अपनी विस्तारित राजनीतिक मामलों की समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। इस बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और रणनीतिकारों ने भाग लिया, जिन्होंने गांधी की रैली की शानदार सफलता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत योजनाओं पर चर्चा की। पीसीसी नेताओं ने कांग्रेस के संदेश और 'संविधान बचाओ' अभियान की राष्ट्रीय प्रासंगिकता को उजागर करने के लिए मजबूत समन्वय और जन–आंदोलन के महत्व पर जोर दिया। 2024 के आम चुनावों के बाद गांधी का यह पहला ओडिशा दौरा है। इस बीच, गांधी ने पिछले एक साल में कई बार राज्य की भाजपा सरकार की आलोचना की है, जिसमें महिलाओं और दलितों के खिलाफ अत्याचार के "बढ़ते मामलों" सहित कई घटनाओं पर चिंता जताई है। गांधी ने पुरी में हुई दुर्भाग्यपूर्ण भगदड़ की घटना को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की थी जिसमें 29 जून को तीन तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी और 50 अन्य घायल हो गए थे।

एनडीए ही लौटा सकता है बिहार का खोया गौरव : राजनाथ

पटना, एजेंसी। बिहार चुनाव से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पटना के दौरे पर हैं। इस दौरान राजनाथ सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश फूंका और उनको जीत का मंत्र दिया। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा में हर कोई कार्यकर्ता की भावना से काम करता है, चाहे वह किसी भी पद पर हो। यही हमारी पार्टी की मजबूती का आधार है और इसी का परिणाम है कि भाजपा आज पूरे विश्व में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह केवल एक संगठन की बैठक नहीं है, बल्कि उस संकल्प की पूर्ति के लिए एक संकल्प सभा है, जिसे हमें बिहार और भारत दोनों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लेना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में दिखाया है कि भारत बदल सकता है और आगे बढ़ सकता है, बशर्ते नेतृत्व मजबूत हो, नीयत साफ हो, नीति स्पष्ट हो और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। हमें बिहार के हर निवासी के दिल में यही विश्वास जगाना है। राजनाथ ने कहा कि कांग्रेस और आरजेडी जैसी पार्टियों का एक ही उद्देश्य है, सत्ता में बने रहना। जबकि भाजपा का उद्देश्य भारत के हर नागरिक के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है...ऐसी नीतियां बनाना है जिसमें समाज के हर वर्ग का विकास हो। सभी को आत्मसम्मान के साथ जीने का अधिकार मिले, यह भी हमारी सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रयासरत हैं।

करछना बवाल में घायल युवक की एसआरएन में मौत, पुलिस ने किया खंडन

प्रयागराज। करछना इलाके के धरवारा गांव में संदिग्ध दशा में चोटिल हाल में मिले युवक सुनील कुमार निवासी खीरी थाना खीरी की एसआरएन अस्पताल में उपचार दौरान मंगलवार की देर रात मौत हो गई। मृत्यु से पहले युवक का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। करछना इलाके के धरवारा गांव में संदिग्ध दशा में चोटिल हाल में मिले युवक सुनील कुमार (25) निवासी खीरी थाना खीरी की एसआरएन अस्पताल में उपचार दौरान मंगलवार की देर रात मौत हो गई। मृत्यु से पहले

युवक का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जिसमें वह कह रहा है कि करछना के भड़ेवरा में 29 जून को हुए बवाल के दौरान पुलिस की पिटाई से उसकी यह दशा हुआ है। उसने यह भी कहा कि पुलिस और पुलिसकर्मियों के साथ आए लोगों ने ग्रामीणों की जमकर पिटाई की थी। इसमें उसको भी गंभीर चोटे आई हैं। उधर, डीसीपी यमुनापार विवेकचंद्र यादव ने कहा कि सुनील की मौक संदिग्ध दशा में चोटिल होने से हुई है। वह घायल अवस्था में सड़क के किनारे पड़ा था। डीसीपी का दावा है कि सुनील के भाई ने पुलिस को बयान दिया है कि सुनील घर से आटो चलाने के लिए निकला था। इसी दौरान वह खुद चोटिल हुआ था। उसको अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां हालत स्थिर होने पर परिजन उसको घर लेकर चले गए थे। 30 जून को फिर पेट दर्ज की शिकायत पर उसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मौत के कारणों का सही पता रिपोर्ट आने के बाद ही लग सकेगा।

कुंभ-2031 से पहले फ्लाईओवर और एलिवेटेड पुल बनाने की तैयारी, जल्द शुरू होगा सर्वे

प्रयागराज। कुंभ–2031 से पहले शहर में फ्लाईओवर के साथ एलिवेटेड पुल के निर्माण की भी तैयारी है। सर्वे के बाद जल्द ही प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। शहर के सौंदर्यीकरण के अलावा यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर ज्यादा काम कराए जाएंगे। कुंभ–2031 से पहले शहर में फ्लाईओवर के साथ एलिवेटेड पुल के निर्माण की भी तैयारी है। सर्वे के बाद जल्द ही प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। शहर के सौंदर्यीकरण के अलावा यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में

रखकर ज्यादा काम कराए जाएंगे। नगर निगम के मुख्य अभियंता दिनेश चंद्र सचान का कहना है कि वर्ष 2031 कुंभ को ध्यान में व्यापक प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। महाकुंभ–2025 में अपेक्षा से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक आए थे। इसे ध्यान में रखकर आवागमन के साधनों व यातायात व्यवस्था पर ज्यादा जोर रहेगा। वहीं, प्रस्ताव तैयार करने से पहले महाकुंभ–2025 की खामियों का भी अध्ययन किया जाएगा। गंगा और यमुना नदी पर एक–एक पुल के निर्माण की घोषणा महाकुंभ–2025 के दौरान ही हो चुकी है। महाकुंभ के दौरान हुई कैबिनेट की बैठक में इन पुलों के निर्माण पर मुहर लगी थी। बैठक में मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि इन दोनों पुलों का निर्माण पर निर्णय कुंभ–2031 की परियोजनाओं की शुरुआत है। अब इन पुलों का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इनके अलावा शास्त्री पुल और यमुना पर नए पुल से लगे हुए नए पुलों की भी मांग की जा रही है। इनके लिए भी प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

बारिश में पानी से लबालब हो गईं कई सड़कें, परेशानी

प्रयागराज। सोमवार सुबह साढ़े दस से करीब एक घंटे हुई झमाझम बारिश ने उमस भरी गर्मी से राहत तो दी लेकिन, आवागमन मुश्किल कर दिया। फूलपुर की अधिकांश सड़कें बारिश में पानी से लबालब हो गईं। जिस वजह से राहगीरों का चलना दूभर हो गया। इफको गेट के सामने से निकले वीरकाजी–महुलिया जाने वाला संपर्क मार्ग पिछले ढाई दशक से मरम्मत की बांट जोह रहा है। मार्ग गड्ढों में तब्दील हो चुका है। इस संपर्क मार्ग पर सोमवार को बारिश होते ही भारी जल जमा हो गया। मंगलवार को पानी बरसा तो सड़क तालाब में तब्दील हो गई। किसी प्रकार भोपतपुर से सिंगरामऊ जाने वाला संपर्क मार्ग भी गड्ढों में तब्दील है। जगह–जगह जलभराव हो गया है, ऐसे में सड़क पर चलना मुश्किल है। यही नहीं गंगापार की सबसे बड़ी फूलपुर सब्जी मंडी में भी जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से व्यापारियों की आढ़तों सहित गोदाम तक बारिश का पानी पहुंच गया। जिससे व्यापारियों का भारी नुकसान हुआ।

झमाझम बारिश से शुरू हो गई धान की रोपाई

पिछले दो दिनों से फूलपुर इलाके में हो रही झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई है। पानी के अभाव में सूख रही धान की नर्सरी में जहां रंगत आ गई है, वहीं किसानों ने धान की रोपाई का काम भी शुरू कर दिया है। मंगलवार को फूलपुर के करूआड़ीह, देवली, बसनेहटा, जमुआ, अमोलवा, आरा कला, आगरा पट्टी, सिंगरामऊ आदि गांवों में किसानों ने धान की रोपाई शुरू कर दी है।

बरौत में ट्रेलर व मैजिक की भिड़ंत, दो युवक घायल

प्रयागराज। हंडिया थाना अंतर्गत पुलिस चौकी बरौत के पास नेशनल हाईवे ओवरब्रिज पर मंगलवार दोपहर एक बजे ट्रेलर व मैजिक की आमने–सामने की भिड़ंत में मोहम्मदाबाद गाजीपुर के मैजिक चालक समेत दो लोग घायल हो गए। वहीं, घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सूचना पुलिस और एंबुलेंस कर्मियों को दी गई। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊपरदहां ले गए जाया गया। जहां से एक को डॉक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। नेशनल हाईवे के ओवर ब्रिज पर हुई भिड़ंत में मैजिक चालक मुमताज उर्फ मोनू (30) पुत्र अशरफ व मोनू खान (25) पुत्र मुख्तार खान घायल हो गए।

कोर्ट में हाजिर हुए प्रमुख सचिव, कहा- एसआरएन अस्पताल में होंगे दो हजार बेड

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ के आदेश पर मंगलवार को प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा हाजिर हुए। उन्होंने 42 मेडिकल कॉलेजों की स्थिति में सुधार के लिए प्रदेश सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ के आदेश पर मंगलवार को प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा हाजिर हुए। उन्होंने 42 मेडिकल कॉलेजों की स्थिति में सुधार के लिए प्रदेश सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। बताया कि एसआरएन अस्पताल में 1,250 बेड की उपलब्धता है, जिसे बढ़ाकर दो हजार किया जाएगा। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ के आदेश पर सचिव चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य हाजिर हुए थे।

उन्होंने यह भी कहा कि मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज को एक चिकित्सा

संस्थान के रूप में उन्नत करने का मामला राज्य सरकार के विचाराधीन है। एसआरएन में बेड की संख्या दो हजार करने के लिए अस्पताल के आसपास जमीन की आवश्यकता है। इसके लिए प्रयागराज के डीएम को अनुरोध भेजा गया है। यह भी कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कुछ मेडिकल कॉलेजों का दौरा किया है।

दो महीने में अन्य मेडिकल कॉलेजों का निरीक्षण करने और अदालत को रिपोर्ट करने के लिए दो से तीन सदस्यों की एक टीम का गठन एक सप्ताह के भीतर किया जाएगा। वहीं, एसआरएन अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राज बहादुर कमल ने कोर्ट को बताया कि जन औषधि केंद्र चालू है और ओपीडी को पूरी तरह से संचालित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि प्रमुख सचिव के पत्र के बाद वे बहुत जल्द कार्रवाई करेंगे और स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल के विस्तार के लिए भूमि उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

नगर आयुक्त ने अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने की जानकारी दी। पुलिस आयुक्त ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि अस्पताल परिसर में पुलिस पिकेट की व्यवस्था होगी। कोर्ट ने प्रमुख सचिव व अन्य अधिकारियों को उपस्थिति से छूट देते हुए अगली सुनवाई के लिए 22 जुलाई की तिथि नियत की है। हालांकि, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रयागराज व चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राज बहादुर कमल सहायता के लिए अदालत में उपस्थित रहेंगे।

कानपुर मेडिकल कॉलेज की स्थिति पर होगा विचार

कोर्ट ने कहा कि अगली तारीख पर कानपुर के जीएसवीएन मेडिकल कॉलेज व उससे जुड़े लाला लाजपत राय अस्पताल की स्थिति पर विचार किया जाएगा।

प्राचार्य बताएं कि मेडिकल कॉलेज में रिसेप्शन क्यों हुआ रू हाईकोर्ट

कोर्ट ने 23 मई 2025 को पारित एक आदेश से एमएलएन मेडिकल कॉलेज के परिसर में विवाह समारोह या कोई निजी समारोह करने पर रोक लगाई थी। इसके बावजूद आठ जून 2025 को परिसर में रिसेप्शन पार्टी आयोजित की गई। न्यायमित्र अधिवक्ता ईशान देव गिरि और प्रभूति कांत त्रिपाठी ने समारोह की रंगीन तस्वीरें कोर्ट में प्रस्तुत कीं, जिन्हें रिकॉर्ड पर ले लिया गया है।

कोर्ट ने मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य को एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है कि क्या आठ जून 2025 को कोई निजी समारोह आयोजित किया गया था या नहीं।

पीसीएस परीक्षा से उत्तर पुस्तिका लेकर चला गया छात्र, फोन करके बुलाया गया

प्रयागराज। उप्र लोकसेवा आयोग की पीसीएस मुख्य परीक्षा 2024 के दौरान मंगलवार को एक परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका लेकर चला गया। हड़कंप मचने पर किसी तरह कॉल कर उसे बुलाया गया और फिर उत्तर पुस्तिका प्राप्त की गई। पूछताछ में उसने भूलवश ऐसा होने की बात कही। इसे गंभीर मामला मानते हुए केंद्र प्रबंधक ने कर्नलगंज थाने में तहरीर दे दी है।

प्रतिभा सिंह ईश्वर शरण बालिका इंटर कॉलेज, गोविंदपुर की प्रधानाचार्य हैं। उन्होंने तहरीर देकर बताया कि पीसीएस मुख्य परीक्षा–2024, 29 जून से दो जुलाई तक हो रही है। मंगलवार को द्वितीय सत्र की परीक्षा शाम 05रू30 बजे समाप्त हुई।

उत्तर पुस्तिकाओं की गिनती करने पर ज्ञात हुआ कि कक्ष संख्या सात में उपस्थित परीक्षार्थी में से एक अभिताष सिंह की उत्तर पुस्तिका उपलब्ध नहीं है। कक्ष निरीक्षक दीपक कुमार व आशा देवी ने बताया कि उक्त परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका उनके पास अथवा कक्ष में नहीं है।

इस पर विद्यालय में ड्यूटी कर रहे आयोग के अतिरिक्त पर्यवेक्षक रामनाथ पांडेय एवं सहायक पर्यवेक्षक प्रिया रावत ने कार्यालय से परीक्षार्थी का मोबाइल नंबर प्राप्त किया। आरोप है कि कॉल करने पर पहले तो परीक्षार्थी ने उत्तर पुस्तिका कक्ष निरीक्षक के पास जमा करने की बात कही।

चार मिनट बाद कॉल बैक कर बताया कि वह गलती से बिना उत्तर पुस्तिका जमा किए कक्ष से निकल आया। फिर कॉलेज में जमा अपना बैग प्राप्त कर उसी में रखकर वापस चला आया। बकौल प्रधानाचार्य, निर्देशित करने पर परीक्षा समाप्त होने के 40 मिनट बाद शाम 6रू10 बजे परीक्षार्थी कॉलेज पहुंचा और अपने बैग से उत्तर पुस्तिका निकालकर दिखाई। जिसे जांच करने के बाद केंद्र व्यवस्थापक ने प्राप्त कर लिया। आरोप है कि परीक्षार्थी के कृत्य से परीक्षा की गरिमा प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई है। डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है। जांच पड़ताल की जा रही है।

करछना बवाल में अब भीम आर्मी के दो पदाधिकारियों की तलाश, तहसील अध्यक्ष-उपाध्यक्ष हुए हैं नामजद

प्रयागराज। करछना के भडेवरा बाजार में 75 लोगों की गिरफ्तारी के बाद तीसरे दिन पुलिस भीम आर्मी के दो आरोपी पदाधिकारियों की तलाश में जुटी रही। दोनों को साजिश रचने का आरोपी बनाया गया है और इनमें तहसील अध्यक्ष व उपाध्यक्ष शामिल हैं। उधर एक दिन पहले गिरफ्तार 23 अन्य लोग मंगलवार को जेल भेज दिए गए। फिलहाल पुलिस अब यह पता लगाने में जुट गई है कि इस बवाल की साजिश में अन्य कौन–कौन लोग शामिल हैं। इसके लिए मोबाइल सर्विलांस का भी सहारा लिया जा रहा है। पुलिस टीमें परंपरागत मुखबिर तंत्र से भी यह पता लगाने में जुटी हैं कि बवाल के पीछे किन लोगों का हाथ है। इससे पहले सोमवार को गिरफ्तार किए गए 23 अन्य लोगों से गहन पूछताछ की गई। उधर तीसरे दिन भड़ेवरा बाजार में पूरी तरह शांति रही। दुकानें पूर्व की तरह ही खुलीं और बाजार में चहल पहल रही। फिलहाल एहतियातन बाजार में शिफ्टवार अलग–अलग थाने की फोर्स तैनात की जा रही है। साथ ही पर्यवेक्षण के लिए एसीपी स्तर के अधिकारी को भी तैनात किया जा रहा है। शांति व्यवस्था पूरी तरह कायम है। 75 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मामले में जिन अन्य लोगों की संलिप्तता रही है, उन्हें चिह्नित करने का प्रयास किया जा रहा है। कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। – विवेक चंद्र यादव, डीसीपी यमुनानगर

अब तक क्या हुआ

29 जून को हुए बवाल के मामले में 54 नामजद समेत कुल 604 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई।

इनमें 550 अज्ञात को भी आरोपी बनाया गया।

अब तक 75 की हो चुकी है गिरफ्तारी।

गिरफ्तार आरोपियों में 52 नामजद आरोपी।

23 अन्य गिरफ्तार आरोपी वह हैं, जिन्हें वीडियो फुटेज से चिह्नित किया गया

भीम आर्मी के करछना तहसील अध्यक्ष अभय सिंह उर्फ सोनू और उपाध्यक्ष प्रतीक देव वर्मन भी हैं नामजद

दोनों साजिश रचने के आरोपी, चल रही है तलाश

प्रयागराज-चित्रकूट विकास क्षेत्र के गठन से खुलेंगे रोजगार के रास्ते, आईटी हब भी बनेगा

प्रयागराज। प्रदेश के दक्षिणी इलाके में औद्योगिक, आर्थिक और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए प्रयागराज–चित्रकूट विकास क्षेत्र के गठन को लेकर संगम नगरी के लोग उम्मीद भरी नजरों से देख रहे हैं। मंजूरी मिलने के बाद यहां लॉजिस्टिक पार्क, आईटी हब, मेगा फूड पार्क बनाए जाने समेत उद्योगों के लिए कंपनियों को जगह दी जाएगी। शासन के निर्देश पर प्रयागराज, चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, कौशाम्बी, फतेहपुर जिले को शामिल करते हुए प्रयागराज–चित्रकूट विकास क्षेत्र का गठन किए जाने का प्रस्ताव पीडीए ने तैयार किया है। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यटन और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना है। प्रस्तावित क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 23053.00 वर्ग किमी होगा। खास बात यह है कि इससे न केवल आर्थिक बदलाव होगा, बल्कि यहां रोजगार के अवसर मुहैया होंगे। गंगा एक्सप्रेसवे, चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे आदि के निर्माण के उपरांत औद्योगिक विकास और चित्रकूट में रक्षा कॉरिडोर में निवेश आदि के माध्यम से रोजगार सृजन संभावित है। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने गठन को लेकर छह जिलों के डीएम को 30 मई तक अपने सुझाव पीडीए को भेजने का निर्देश दिया था। बाद में इसे 30 जून कर दिया गया। इसके बावजूद प्रयागराज, कौशाम्बी और फतेहपुर के डीएम ने अपने सुझाव नहीं दिए। जिन अधिकारियों ने सुझाव भेजे थे, उन्हें वापस करते हुए पर्यटन स्थलों को जोड़ कर भेजने का निर्देश दिया गया है।

शासन के निर्देश पर पीडीए ने इसका प्रस्ताव तैयार किया है। इसमें छह जिलों के डीएम से सुझाव मांगे गए हैं। इससे औद्योगिक और पर्यटन विकास को बढ़ावा मिलेगा। रोजगार और आय के दूसरे रास्ते भी खुलेंगे। – डॉ. अमित पाल शर्मा, उपाध्यक्ष पीडीए

निष्कासित होंगे गुटखा, पान-तंबाकू खाकर पूजा कराने वाले पंडित, भक्तों पर भी लागू होगा नियम

प्रयागराज। श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में सावन के महीने की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक हुई। महंत ब्रह्मचारी श्रीधरानंद महाराज की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई पुजारी भी सख्त नियम बना दिया गया है। इसके तहत पूजन और अनुष्ठान के दौरान किसी भी पंडित के गुटखा, पान और तंबाकू खाने पर पाबंदी रहेगी।

इसका पालन न करने वाले

शामिल हुए। इस दौरान सावन महीने के दौरान मंदिर में होने वाले पूजन–अभिषेक के नियमों पर मुहर लगी। मंदिर में पूजन और अनुष्ठान के दौरान भक्तों के ड्रेस कोड के बाद अब पुजारियों के गुटखा, पान–तंबाकू खाने को लेकर पंडित को एक महीने के लिए निष्कासित कर दिया जाएगा। प्रायश्चित करने पर एक मौका दिया जाएगा। दोबारा पूजन के दौरान ऐसा करने पर हमेशा के लिए मंदिर से निष्कासित कर दिया जाएगा। यह नियम भक्तों पर भी लागू होगा। महंत ब्रह्मचारी श्रीधरानंद महाराज ने कहा कि पूजन के दौरान पंडितों के लिए पान, गुटखा–तंबाकू का सेवन वर्जित रहेगा, क्योंकि इससे मंत्रोच्चार ठीक से नहीं हो पाता है और पूजन में शुद्धता नहीं आ पाती है।

उन्होंने कहा कि पूजन और अनुष्ठान के लिए शास्त्रों में नियम और निर्देश स्पष्ट हैं। सभी सनातनियों को उनका पालन करना चाहिए। नियम का पालन किए बिना पूजन और अनुष्ठान का फल नहीं मिलता है। बता दें कि कुछ समय पहले लिए गए भक्तों के ड्रेस कोड के फैसले को भी इस बैठक में एक बार फिर स्पष्ट कर दिया गया। इसमें बताया गया कि पुरुषों को धोती पहनकर ही मंदिर में पूजन और अनुष्ठान करना होगा। धोती के साथ वे शर्ट और कुर्ता पहन सकते हैं।

इसी तरह महिलाओं को साड़ी या सलवार सूट पहनकर ही पूजन और अनुष्ठान करना होगा। पंडितों को भी धोती और कुर्ते में ही पूजा करानी होगी। भक्तों का ड्रेस कोड सावन में लागू होगा और आगे भी जारी रहेगा। इसके साथ ही बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि सभी पूजन और अनुष्ठान निर्धारित समय पर ही होंगे। इनके निरीक्षण के लिए मंदिर प्रशासन की ओर से एक व्यक्ति को नियुक्त किया जाएगा। बैठक का संचालन आचार्य विद्याकांत पांडेय ने किया। बैठक में पुजारी पंडित रामचंद्र शुक्ल, श्रीराम द्विवेदी, भीम पाठक, कमलेश द्विवेदी, रमेश पांडेय, दिलीप तिवारी, उदित त्रिपाठी, सुशील त्रिपाठी, आयुष तिवारी आदि मौजूद रहे।

सियार के हमले में 23 ग्रामीण घायल, दहशत

प्रयागराज। गिरधरपुर और मांडाखास गांव में घर के बाहर सो रहे 23 ग्रामीणों को सियार ने काटकर घायल कर दिया। घायलों को सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया गया। घटना से गांवों में दहशत है। घायलों से बातचीत के बाद वन विभाग के अधिकारी ने सियार के पागल होने की आशंका जताई है। ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार रुक–रुककर बारिश हो रही थी। बिजली आपूर्ति भी ठप थी। ज्यादातर ग्रामीण कमरे के बाहर बरामदे और खुले स्थान पर सो रहे थे। रात की दूसरी पहर सियार ने ग्रामीणों पर हमला बोल दिया। अंधेरे में हमले से करीब 23 ग्रामीण घायल हुए हैं। सीएचसी मांडा के फार्मासिस्ट आशीष द्विवेदी ने बताया कि सियार के हमले में घायल मो. इजराइल (22), अजय (5), राजेंद्र प्रसाद (28), मिराज अली (25), स्नेहलता (21), निर्मला देवी (55), इरफान अली (29), जितेंद्र कुमार (28), दिव्यांशु (12), नेब्बू लाल (40), मेहंदी हसन (65), सानिया (30), अफसाना (28), सुनीता (45), फूलपत्ती (45), कृष्णावती (40) को रैबीज का इंजेक्शन लगाया गया है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें शहर रेफर कर दिया गया।

मऊआइमा के आंबेडकर पार्क से बाबा साहब की प्रतिमा चोरी

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के ग्राम कटरा दयाराम खानपुर स्थित आंबेडकर पार्क में गौतम बुद्ध और बाबा साहब की प्रतिमा लगी है। सोमवार रात अराजकतत्वों द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा चोरी कर ली गई। मंगवार सुबह इसकी जानकारी हुई तो गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए। वहीं, कुछ देर में पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। ग्राम प्रधान कामता प्रसाद मौर्य उर्फ बच्चा भगत ने मऊआइमा थाने में इसकी सूचना दी थी। मौके पर इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी ने पहुंच कर मुआयना किया। इसी बीच भाजपा नेताओं के साथ भीम आर्मी, बसपा के पदाधिकारी भी पहुंच गए।

डॉक्टर्स नहीं तो हम नहीं: विजय वर्मा

मुजफ्फरनगरससर्विस क्लब के सभी टेनिस खिलाड़ियों ने डॉक्टर्स डे के उपलक्ष में वहां उपस्थित क्लब के सभी खिलाड़ी और डॉक्टर के साथ मिलकर केक काटकर सेलिब्रेशन किया। विजय वर्मा ने बताया की डॉक्टर नहीं तो हम नहीं मतलब आज के समय में हर व्यक्ति को डॉक्टर की इतनी आवश्यकता होती है कि उनके बिना रहना मुश्किल नहीं असंभव है क्योंकि हर व्यक्ति किसी न किसी दिन, किसी न किसी बीमारी से ग्रसित होकर डॉक्टर के पास जाते हैं और डॉक्टर उनको दवाई देकर

जल्द ही ठीक कर देते हैं देखा जाए तो दूसरे भगवान के रूप में हम डॉक्टर को मानते हैं। आप कल्पना कीजिए जब किसी व्यक्ति को चोट लगती है तो वह पीड़ा से कराह रहा होता है डॉक्टर उसका इलाज कर उसको ठीक कर देता है तब वह व्यक्ति डॉक्टर का बहुत–बहुत धन्यवाद अदा करता है ।भारत के डॉक्टर्स ने भारत ही नहीं बल्कि विश्व के सभी देशों में चिकित्सा के क्षेत्र में अपना नाम कमाया है और ऐसी उम्मीद करते हैं कि भारत और अधिक चिकित्सा क्षेत्र में तरक्की कर विश्व में अपना नाम कमाए। इस कार्यक्रम में डॉ देवेंद्र सिंह मलिक, डॉ सुनील चौधरी, डॉ पंकज सिंह, डॉ मनोज काबरा, डॉ विनीत मनोचा, डॉ सुरजीत, डॉ अनिल सिंह, डॉ हेमंत, डॉ यश, विजय वर्मा, डॉ जे एस तोमर, आशु अरोड़ा दिलीप कपूर आदि लोग उपस्थित थे।

ग्राम सलारपुर की गौशाला की खराब व्यवस्था को लेकर रोष

–राष्ट्रीय गौ सेवक संघ के पदाधिकारी पहुंचे गौशाला

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय गौ सेवक संघ के राष्ट्रीय सचिव पंडित शुभम कौशिक, देव शर्मा प्रदेश अध्यक्ष, डॉ संजू शर्मा जिला अध्यक्ष,ऋतिक शर्मा, गौ सेवक दीपांशु धीमान जानसठ

तहसील उपाध्यक्ष तनिश राठी जानसठ तहसील मंत्री ने गौ शाला मे जाकर गौ वंश की दुर्दशा पर रोष प्रकट किया। प्रदेश अध्यक्ष देव शर्मा ने बताया की गौ शाला मे पंखे तो है पर लाइट की व्यवस्था नहीं है। और तेज गर्मी में पानी की व्यवस्था भी नहीं है गौवंश बीमार स्थिति में पाया गया।

मंगलवार को दिल्ली से पधारी अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त

प्रयागराज। गीतकार/कवियत्री 'श्रीमती शैलजा सिंह' एवं सिवान बिहार से पधारे 'कवि दुर्गादत्त मिश्र' के सम्मान में 'श्री दीप साहित्यिक सेवा संस्थान' के तात्वाधान में '21वीं सदी में दिनेश गोरखपुरी के दोहे' पर ''काव्य गोष्ठी' श्रृंखला के अंतर्गत 'सम्मान समारोह' एवं 'काव्य गोष्ठी' का आयोजन 'आदरणीय नन्दलाल मणि त्रिपाठी पीताम्बर' के आवास पर 'श्री शिव कुमार शर्मा' जी के संरक्षण में किया गया! काव्य गोष्ठी एवं सम्मान समारोह कि अध्यक्षता गोरखपुर कि वरिष्ठ साहित्यकार आदरणीया 'डा तारा सिंह 'अंशुल' 'व संचालन बिहार से

पधारे कवि श्री 'दुर्गा दत्त मिश्र बाबा' ने किया! इस अवसर पर अंतराष्ट्रीय गीतकार/कवि 'श्रीमती शैलेजा सिंह' जी को पूर्वांचल गौरव एंव सिवान बिहार से पधारे 'दुर्गा दत्त मिश्र' जी को बिहार गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया! इस अवसर पर थाने मुंबई से पधारी गायत्री परिवार कि वरिष्ठ आचार्य एवं कवि /साहित्यकार कवयित्री अनुरीता अवध जी, श्रीमती वंदना सूर्यवंशी जीश श्रीमती बिंदु सिंह चौहान,कवि दिनेश गोरखपुरी, कवि अभय श्रीवास्तव कवि नन्दलाल मणि त्रिपाठी श्पीताम्बर कवि मौजूद रहे।

डॉ. संजय कुमार को 'चिकित्सा रत्न 2025' सम्मान से नवाजा गया

प्रयागराज। आयोजित एक गरिमामयी समारोह में डॉ. संजय कुमार, रेलवे सर्जन, को षचिकित्सा रत्न 2025ष सम्मान से राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस पर अलंकृत किया गया। यह सम्मान मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय इलाहाबाद श्री विपिन चंद्र दीक्षित द्वारा प्रदान किया गया, जो चिकित्सा क्षेत्र में उनके मूल्यवान योगदान को मान्यता देता है। यह कार्यक्रम लोक सेवक मंडल द्वारा राजर्षि सेवा केंद्र, प्रयागराज में आयोजित किया गया था। लोक सेवक मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राज कुमार चोपड़ा की उपस्थिति में यह सम्मान प्रदान किया गया। लोक सेवक मंडल के समन्वयक श्री नारायण यादव ने इस कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि यह सम्मान डॉ. संजय कुमार की निःस्वार्थ सेवा और चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को मान्यता देता है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश से उत्तीर्ण हाई स्कूल परीक्षा 2014, अनुक्रमांक 2071277 का अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है।

रेशमा पुत्री मुन्शी लाल
पता - ग्राम- बीरेसाँव,
पोस्ट- सिरसा चौराहा,
तहसील- हण्डिया,
प्रयागराज (उ.प्र.)

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया

ताडेपल्लीगुडेम। होम्योपैथिक शिक्षा और उपचार में अग्रणी संस्थान एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज ने मंगलवार को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया। इस अवसर पर बोलते हुए एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने कहा कि ष्पांच साल पहले स्थापित एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में विभिन्न विभागों में उच्च योग्य और अनुभवी डॉक्टरों की एक टीम है। ये समर्पित पेशेवर होम्योपैथिक चिकित्सा के सिद्धांतों का उपयोग करके कई तरह की बीमारियों का इलाज करने में माहिर हैं। होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का दायरा बहुत बड़ा और व्यापक है। आसपास के गांवों के लोग विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए इस कॉलेज की ओपीडी और इसके साथ लगे 50 बिस्तरों वाले अस्पताल का लाभ उठा रहे हैं। यह कॉलेज होम्योपैथी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है। शोध, सामुदायिक जुड़ाव और

अकादमिक उत्कृष्टता पर ध्यान देने के साथ, कॉलेज अपने छात्रों को अपनापन के साथ कुशल स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने हेतु तत्पर है।ष कॉलेज परिधीय आउट पेशेंट विभागों के माध्यम से ग्रामीण समुदायों तक अपनी सेवाएं प्रदान करता है, जिससे जरूरतमंद लोगों को चिकित्सा सेवा मिलती है। एक इन–पेशेंट विभाग के साथ, कॉलेज पुरानी बीमारियों वाले रोगियों के लिए व्यापक उपचार प्रदान करता है, जिसका प्रबंधन डॉक्टरों की एक विशेषज्ञ टीम द्वारा किया जाता है। डॉ. पिंगली ने जोर देकर कहा कि छात्र, प्रशिक्षु, संकाय सदस्य और अस्पताल कर्मचारी सामुदायिक सेवा में रत हैं, और समुदायों को भी इस कॉलेज का लाभ उठाना चाहिए।' उन्होंने जरूरतमंद लोगों को मेडिकल कैंप या किसी भी मेडिकल सहायता के लिए सीधे कॉलेज के फोन 9866388979 पर संपर्क करने की अपील की।

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज को प्रतिष्ठित संगठनों के साथ अपने सहयोग की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट– इस लोकप्रिय एनजीओ के साथ एक समझौता ज्ञापन परिधीय ओपीडी के कार्यान्वयन और सामुदायिक स्वास्थ्य लक्ष्यों की प्राप्ति का समर्थन करेगा, जो राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग की सिफारिशों के अनुरूप होगा। कॉलेज उत्कृष्ट शैक्षिक प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचा सुविधाएं प्रदान करने पर गर्व करता है।

हिन्दू लड़कों को निशाना बना रही 'नकली किन्नर गैंग'?

बसेड़ा में चौंकाने वाला खुलासा, लिंग परिवर्तन और धर्मांतरण का सनसनीखेज आरोप

शिव सेना ने पीड़ित किन्नर के पक्ष मे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँच कर की कार्यवाही की मांग

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश राज्य के मुज़फ्फरनगर जनपद में बुधवार को शिव सेना के जिला अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा के नेतृत्व मे दर्जन भर शिव सेनिको ने गोली उर्फ़ अनिकेत किन्नर के पक्ष मे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर पहुँच कर पुलिस अधीक्षक नगर को एक लिखित शिकायती पत्र देते हुए दलित समाज की किन्नर, का जबरन लिंग परिवर्तन कराये जाने एंव गौ मांस खिलाकर धर्म परिवर्तन कराये जाने वालो के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की मांग की है, वही गोली उर्फ़ अनिकेत ने एक दिल दहला देने वाले मामले का खुलासा करते हुए बताया की एक ष्नकली किन्नर गैंगष हिन्दू लड़कों को पहले नाच–गाने के लालच से अपने साथ जोड़ता है, फिर धोखे से उनका लिंग परिवर्तन और धर्मांतरण करवाया जाता है।

गोली ने आरोप लगाया कि यह गैंग मुस्लिम समुदाय से जुड़े मुस्कान, नेहा उर्फ़ मोहसिन, नाज़िम किन्नर और सरताज जैसे कथित गिरोह बंद लोग मिलकर चला रहे है गोली उर्फ़ अनिकेत किन्नर का दावा है कि उसे मल्हूपुरा स्थित नाजिम

बाजी के डेरे में बंधक बनाकर उसके साथ जबरदस्ती की गई, और लिंग परिवर्तन कराकर उसे षकिन्नरष बना दिया गया। इतना ही नहीं, उसे गौमांस खिलाने और इस्लाम कबूलने का दबाव भी बनाया गया।

गोली ने बताया नकली किन्नर गैंग का टारगेट होता हैं कमजोर, दलित और आर्थिक रूप से पिछड़े हिन्दू लड़के। यह गैंग पहले संबंध बनाकर विश्वास जीतता है, फिर धोखे से शरीर और धर्म दोनों बदलवाता है।

यह मामला धार्मिक, सामाजिक और मानवीय स्तर पर गहरी चिंता का विषय है। शिव सेना जिलाध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा ने अपने ब्यान मे कहा की जो भी जेहादी मानसिकता के लोग हिन्दू बच्चों को टारगेट कर उन्हें किन्नर बना रहे है प्रशासन उन पर गहनता से जाँच कर कठोर कार्यवाही करे। इस दौरान मुख्य रूप से बिट्टू सिखेड़ा, प्रमोद अग्रवाल, शरद कपूर, उज्ज्वल पंडित, देवेंद्र चौहान, निकुंज चौहान, शैलेंद्र विश्वकर्मा, सोनू कश्यप, भारत खोखर, आदि सहित दर्जन भर शिव सैनिक मौजूद रहेस

किसानों के मुद्दे एवं समस्याएं जरूरी लेकिन जन भावनाओं का ख्याल रखा जाना भी नितांत आवश्यक!!

–हर मामले में टांग अड़ाना और अपनी मनमर्जी से रोड जाम कर देना, लोगों के लिए परेशानियां पैदा करना ही शायद इनका काम रह गया..!!'

–संगठनों को प्रदर्शन की अनुमति या आंदोलन करने हेतु कुछ नियम तय करें ताकि आम जन मानस को भारी असुविधा से बचाया जा सके..!

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर को अपराध की दृष्टि से काफी संवेदनशील माना जाता है यहां के अपराध को देखते हुए मुजफ्फरनगर को मीडिया में क्राइम कैपिटल की उपाधि से नवाजा जा चुका है यहां का अपराध सिर चढ़कर बोलता था। इसके अलावा यदि किसान राजनीति की बात करें तो पश्चिम उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर किसानों के लिए राजनीति का एक प्रमुख गढ़ माना जाता है कई किसान नेता यहां से अपनी राजनीतिक किस्मत को चमका चुके हैं तथा उनका सितारा राष्ट्रीय पटल तक पहुंचा,किसानों के हक हकूक और उनके आंदोलनों के लिए बहुत से नेताओं ने लड़ाई लड़ी तथा जो आज भी बदस्तूर जारी है।आज के समय में और बहुत से किसान संगठन भी सामने उभर कर आ रहे हैं जो किसान हित की बात करते हैं लेकिन सवाल यह पैदा होता है कि किसान यूनियन के नाम पर क्या गाड़ी चलाने वाले या अन्य व्यापार करने वाले क्या शामिल हो सकते हैं?ज्यादातर जितने भी किसान यूनियन के संगठनों में जो कार्यकर्ता जुड़े हुए हैं शायद ही उनके पास किसान कहलाने की उपाधि हो शायद दो भिघे जमीन भी आधे से ज्यादा कार्यकर्ताओं के पास नहीं मिलेगी, तो फिर यह कैसे किसान हित की बात कर सकते हैं, कुछ किसान संगठन ने तो अपनी रोजी–रोटी का जरिया ही यह बना बैठे हैं! हर मामले में टांग अड़ाना और अपनी मनमर्जी से रोड जाम कर देना लोगों के लिए परेशानियां पैदा करना ही शायद इनका काम रह गया है। आज भी मुजफ्फरनगर में प्रकाश चौक या अंसारी रोड अन्य जगह पर भी जाम का कारण बन रहे और लोगों को परेशानियां उठानी पड़ी है।इनके इस आंदोलन से शहर में जगह–जगह जाम लगता है आम जनमानस को भारी दिक्कत और असुविधा होती है पुलिस प्रशासन के बड़े अधिकारी गायब रहते हैं तथा अंत में मंच पर आकर वार्ता के बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है।सवाल किसान यूनियन या अन्य संगठनों की आलोचना का नहीं है बल्कि यह बात भी गौरतलब है कि जाम जैसी विकट समस्या में स्कूल में पढ़ने वाले मासूम बच्चे बुजुर्ग महिलाएं व समय पर कुछ लोग नही पहुंच पाते है बल्कि कचहरी में आने जाने वाले फरियादियों व तारीखों पर समय से नही पहुंच पाते है तो वही यह भी देखने में आता है कि सबकुछ देखकर पुलिस अपनी जिम्मेदारी से विमुख होकर खड़ी रहती है जाम का ये आलम किसान प्रदर्शन के दौरान तथा अन्य संगठनों के द्वारा किए गए प्रदर्शनों में साफ तौर पर देखने को मिलता है पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों को चाहिए कि वह संगठनों को प्रदर्शन की अनुमति या आंदोलन करने हेतु कुछ नियम तय करें ताकि आम जन मानस को भारी असुविधा से बचाया जा सके।हालांकि किसानों के मुद्दे और उनकी समस्याएं भी बहुत जरूरी है जिन पर सरकार को गंभीरता पूर्वक विचार करना चाहिए ताकि धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन की नौबत ही ना आए लेकिन सरकार के ना जागने का परिणाम स्थानीय स्तर पर जनता के साथ साथ सभी को भुगतना पड़ता है पुलिस प्रशासनिक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से विमुख होकर आंदोलन के समय गायब हो जाते हैं यह किसी भी प्रकार से उचित नहीं है।

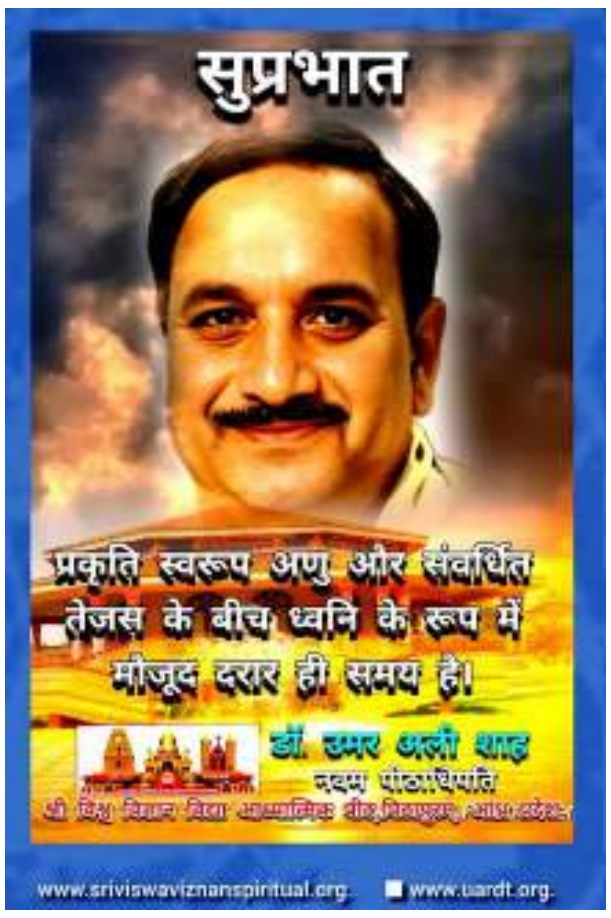

वनराज आम

(कुण्डलिया)

आला दर्जे का आम है, कहते हैं वनराज।
हर आमों से है अलग, जिसका निज अन्दाज़।
जिसका निज अन्दाज़,सुगंधित रस का प्याला।
छः सौ इसका भार, बताता खाने वाला।
खाकर इसे प्रदीप,गा रहे गाना इसका।
गूदा रेशारहित, स्वाद में है यह आला।।

एक आम के नाम दो, सुन्दरशा– वनराज।
जिसके पीले रंग का, अज़ब ग़ज़ब अन्दाज़।
अज़ब गज़ब अन्दाज़,लाल छीटें हैं जिसपर।
खट्टा–मीठा स्वाद,खा रहे हैं सब जमकर।
सुन लो कहें प्रदीप, बात वह सबकी सुनके।
है यह गुण की खान, सँवारो इसको जम के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

वरिष्ठ छायाकार पत्रकार नीरज त्यागी का आकस्मिक निधन पत्रकार जगत में शोक की लहर

मुजफ्फरनगर। जनपद के वरिष्ठ छायाकार पत्रकार नीरज त्यागी का बुधवार सुबह अपने गांव गादला आवास पर आकस्मिक निधन हो जाने से मीडिया जगत में शोक छा गया। गमगीन माहौल में उनका गांव में ही अंतिम संस्कार कर दिया जनपद के कई समाचार पत्रों में छायाकार पत्रकार के रूप में अपनी सेवा प्रदान करने वाले नीरज त्यागी मूल रूप से भोपा थाना क्षेत्र के गांव गादला के निवासी थे। वो काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। इस कारण वो ज्यादातर अब परिवार के बीच ही रह रहे थे। मृदु व्यवहार के कारण नीरज त्यागी कुछ ही देर में किसी को भी प्रभावित करने की अदभुत कला के माहिर थे।

परिजनों ने बताया कि उन्होंने अचानक ही दर्द की शिकायत की और सवेरे करीब पांच बजे घर पर ही उनका आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से परिवार में कोहराम है और ग्रामीणों के साथ ही पत्रकारिता जगत में कार्यरत उनके साथियों ने भी गांव पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। गांव के ही श्मशान घाट में नम आंखों से उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बड़े पुत्र आर्यन ने चिता को मुखाग्नि दी। जी न्यूज इंडिया परिवार नीरज त्यागी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। प्रभु से प्रार्थना है कि परिवार को शक्ति और दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे।

कार और बाइक की टक्कर के बाद कार पलटी, बाइक सवार घायल

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के निगोहां थाना क्षेत्र में आज एक सड़क हादसा हुआ। रामपुर गढ़ी जमुनी में एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बेकाबू होकर सड़क किनारे गड्ढे में जाकर पलट गई। बाइक सवार युवक घायल हो गया। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बाइक सवार को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। क्रेन की मदद से कार को बाहर निकलवाया।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 3620252026 | **निविदा सूचना** | दिनांक: 30.06.2025

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 23.07.2025 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:

निविदा नं.: 115 कार्यों का विवरण: वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/प्रथम/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज के अधीन कार्यवधि 30.06.2026 तक वार्षिक बागवानी की रख-रखाव का कार्य।

अनुमानित लागत: ₹ 7500000.00, बयाने की रकम: ₹ 150000/-, कार्य समापन की अवधि: 12 माह, निविदा खुलने की तिथि: 23.07.2025, सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: कोई बागवानी की रख-रखाव का कार्य।

नोट: 1. आनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। 1138/25 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

क्या ये हेटस्पीच नहीं है

रविवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ एक रैली आयोजित की गई। इमारत–ए–शरिया फुलवारी शरीफ की ओर से आयोजित इस रैली में आरजेडी, कांग्रेस और जेडीयू समेत सभी दलों के बड़े नेताओं को बुलाया गया था। इस रैली में इंडिया गठबंधन के दल शरीक हुए। जिसमें बिहार में नेता प्रतिपक्ष राजद नेता तेजस्वी यादव के भाषण की खूब चर्चा हो रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण हिंदुस्तान की सरजमीं का हर एक–एक इंच, हर पन्ना चीख–चीखकर इस बात की गवाही देता है कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में चाहे हिंदू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई सब लोगों ने इस देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने का काम किया है। ये देश किसी के बाप का देश नहीं है। ये हम सब का देश है। वक्फ संशोधन कानून लाकर किस तरह मस्जिदों, मदरसों, कब्रगाहों की जमीन को छीनने की योजना बनाई जा रही है, इसका खुलासा तेजस्वी ने किया और इसमें जमीन के बाद वोट छीनने की चालाकी के बारे में भी जनता को आगाह किया। दरअसल चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची पुनरीक्षण का जो फैसला लिया गया है, उसमें यह आशंका बढ़ रही है कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे। अगर चुनाव आयोग यह कदम पहले उठाता, तब बात दूसरी होती, लेकिन चुनाव से चंद महीने पहले ही उसे मतदाताओं की जांच की जरूरत क्यों पड़ी, पिछले साल चुनाव से पहले इस बारे में ध्यान क्यों नहीं दिया गया, ये सारे सवाल अब उठ रहे हैं। अवैध मतदाता, बांग्लादेशी घुसपैठिए इन शब्दों की आड़ में कहीं गरीबों, पिछड़ों के वोट का अधिकार तो नहीं छीना जा रहा है, यह सवाल भी उठ रहा है, क्योंकि अपने साथ–साथ अपने माता–पिता का जन्म प्रमाणपत्र या अन्य पहचान वाले दस्तावेज जुटाना साधारण, गरीब आदमी के लिए आसान नहीं होगा। फिर चुनाव आयोग क्यों इस मुश्किल को खड़ा कर रहा है, यह विपक्ष की बड़ी आपत्ति है। जब गांधी मैदान में वक्फ संशोधन कानून के विरोध के लिए लोग जुटे तो तेजस्वी यादव ने इस बारे में भी कहा कि आपकी जमीन को छीना जा रहा है। अब भाजपा सत्ता से जाने वाली है तो हम सब के गरीब, पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित सब लोगों के वोट के अधिकार को छीना जा रहा है। मतदाता सूची में संशोधन के नाम पर आपके वोट के अधिकार को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। ये बहुत बड़ी साजिश है। इसलिए आप लोग सचेत रहियेगा और ऐसा होने मत दीजिएगा। भाजपा को उम्मीद नहीं होगी कि इस मंच का इस्तेमाल अब उसके बाकी फैसलों के विरोध के लिए भी हो सकता है। हालांकि अब तो भाजपा का जो नुकसान होना है, वो हो चुका है। अब इसकी भरपाई के लिए भाजपा ने कोशिशें शुरु कर दी हैं और इस चक्कर में फिर एक गलती कर दी है। दरअसल रविवार को तेजस्वी यादव ने बड़ा ऐलान दावा किया था कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे इस बिल को प्रदेश में लागू नहीं होने देंगे और कूड़ेदान में फेंक देंगे। इस बात को भाजपा संविधान और संसद का अपमान बता रही है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण किए, लेकिन बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे, वहां एक ऐसी रैली हुई, जिसमें इंडिया गठबंधन के सहयोगी बिहार के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे, जबकि यह कानून (वक्फ बोर्ड कानून) दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचाराधीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान।श्री त्रिवेदी यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि वक्फ समाजवाद के विचार के खिलाफ है। उनका विचार संविधान को नीचा दिखाना, उसे तोड़ना है। वे गरीब मुसलमानों के साथ नहीं बल्कि उन चंद लोगों के साथ खड़े हैं जो सारी संपत्तियों पर कब्जा करना चाहते हैं। यह समाजवाद नहीं बल्कि नमाजवाद है। चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर ऐसे गंभीर विषयों पर चुप लगा जाते हैं, या फिर देर से बोलते हैं और अगर बोलते हैं तो उनमें ठोस तर्कों की जगह खोखली बातें ज्यादा होती हैं, इसलिए फिलहाल सुधांशु त्रिवेदी के वक्तव्य को ही पार्टी का आधिकारिक स्टैंड कहा जाएगा। वक्फ संशोधन कानून का विरोध भाजपा की निगाह में अगर संविधान, संसद, न्यायपालिका सबका अपमान है, तो फिर तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने का जो फैसला नरेन्द्र मोदी ने लिया था, क्या उसे भी भाजपा संसद का अपमान ही कहेगी, क्योंकि कृषि विधेयक भी संसद के दोनों सदनों से पारित होकर ही कानून बने थे। लेकिन किसानों के एक साल से ज्यादा वक्त तक चले आंदोलन के बाद खुद प्रधानमंत्री मोदी ने इन्हें वापस लेने का ऐलान किया था और कहा था कि मेरी ही तपस्या में कोई कमी रही होगी। जब कृषि कानून निरस्त हो सकते हैं, तो वक्फ संशोधन कानून भी वापस लिया जा सकता है। दूसरी बात जिस तरह समाजवाद और नमाजवाद की तुक सुधांशु त्रिवेदी ने मिलाई है, क्या उसे नफरती भाषण की तरह नहीं समझा जाना चाहिए, यह बड़ा सवाल है।लोकतंत्र में न समाजवाद पर किसी को आपत्ति करने का हक है, न किसी के नमाज पढ़ने, पूजा करने, या अपनी मर्जी के धार्मिक स्थल जाने या न जाने पर कोई सवाल उठा सकता है। लेकिन भाजपा ने जिस तरह समाजवाद नहीं बल्कि नमाजवाद है, कहा है, उसमें नमाज पढ़ने को गलत, गैरकानूनी, अनैतिक बताने की परोक्ष कोशिश भाजपा की तरफ से दिखाई दे रही है। नमाजवाद वैसे तो कोई शब्द है नहीं, न ही हो सकता है। जब हम प्रार्थनावाद, पूजावाद, हवनवाद, जपवाद नहीं कहते हैं, तो फिर नमाजवाद कैसे कह सकते हैं। लेकिन भाजपा प्रवक्ता ने इस अनर्गल शब्द के जरिए एक प्रार्थना पद्धति को अपमानित किया है, जो सरासर गलत है और इस पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को अपना पक्ष रखना चाहिए कि क्या वह भी इससे सहमत हैं। इंडिया गठबंधन की बढ़ती ताकत से हड़बड़ाई भाजपा अपना पक्ष मजबूत करने की जगह ऐसे बयानों से और कमजोर होगी, यह बात पार्टी नेतृत्व को समझना चाहिए।

आपातकाल और शरद यादव! शरद यादव

रामबहोर साहू

जबलपुर में छात्र आंदोलन से राष्ट्रीय राजनीति के पटल में उभरे शरद यादव ने अपने राजनीतिक जीवन में गरीबी, बेरोजगारी, अत्याचार व भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार आवाज उठाई।

शरद यादव साझी विरासत के पक्षधर थे। श्साझी विरासत बची रहेगी तो देश बचा रहेगा, जाति नहीं बल्कि जमात जोड़ो, सामाजिक न्याय, विषमता, जाति जनगणना, के प्रबल हिमायती रहे और आम लोगों से मिलने –जुलने, संवाद करने आदि के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे। जिसका अब अभाव हो गया है। ये संयोग ही है कि आपातकाल के साक्षी रहे शरद यादव की इस वर्ष की जन्म वर्षगांठ उस समय है जब देश में केंद्र और कई राज्य सरकारें आपातकाल के पचास वर्ष पूरे होने पर चर्चा जोरों–शोरों से कर रही हैं। विगत दिनों, केंद्र सरकार के साथ–साथ श्डबल इंजन की सरकारों ने इमरजेंसी लगने वाले दिनों को काला अध्याय, काला दिवस, तथा संविधान हत्या दिवस के रूप में याद किया और मनाया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार द्वारा 25 जून 1975 को घोषित आपातकाल के दौरान, समाजवादी नेता और मंडल मसीहा शरद यादव मीसा कानून (मेंटेनेंस ऑफ इंटरनल सिक्योरिटी एक्ट, 1971) के तहत विभिन्न जेलों में रहे। मीसा से पहले भी छात्र आंदोलन के चलते जेल जा चुके थे। आपातकाल लगने से पूर्व, फरवरी 1974, में ही शरद यादव जबलपुर लोकसभा क्षेत्र के उपचुनाव में सबसे युवा सांसद बने थे। मंडल मसीहा समाजवादी नेता शरद यादव का जन्म 1 जुलाई 1947 को हुआ। मूलतः होशंगाबाद जिले के गांव आंखमऊ से आने वाले शरद यादव ने जबलपुर के रॉबर्टसन कॉलेज (अब शासकीय विज्ञान महाविद्यालय और महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय) से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की, वह भी गोल्ड मेडल सहित। जबलपुर में छात्र आंदोलन से राष्ट्रीय राजनीति के पटल में उभरे शरद यादव ने अपने राजनीतिक जीवन में गरीबी, बेरोजगारी, अत्याचार व भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार आवाज उठाई। जबलपुर विश्वविद्यालय के निर्वाचन में धांधली के खिलाफ धरना–प्रदर्शन कर उन्होंने उस मुद्दे को जोर शोर से उठाया। स्वयं छात्र संघ चुनाव लड़े और छात्रसंघ विश्वविद्यालय चुनाव में विजयी होकर छात्र नेता से शरद भाई की संज्ञा पाने वाले शरद यादव का आपातकाल के दौरान और बाद में अपनी राजनीति से देशभर में यही नाम कायम रहा। इंदिरा गांधी सरकार की नीतियों के विरुद्ध देशव्यापी जन आंदोलन की अगुआई जयप्रकाश नारायण कर रहे थे, तब 1974 के जबलपुर लोक सभा के उपचुनाव में संयुक्त जनता पक्ष ने शरद यादव को अपना उम्मीदवार बनाया। चुनाव चिन्ह मिला हलधर किसान। उनके चुनाव प्रचार सभाओं में स्वयं जयप्रकाश भी पहुंचे। कांग्रेस के धनाढ्य प्रत्याशी सेठ गोविंददासजी को पराजित कर शरद यादव ने महज 27 वर्ष की उम्र में सांसद बनने का गौरव अर्जित किया। शरद यादव जबलपुर से दो बार लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए– 974 और 1977 में। जब साल 1977 में जनता पार्टी के गठन पर इसी श्हलधर किसानश चिन्ह के साथ जनता पार्टी को मिला, लोकसभा चुनाव जीता और केंद्र में सरकार बनाई। हालांकि जनता पार्टी की सरकार पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी। फिर भी उस अल्प अवधि में जनता पार्टी ने दो प्रधानमंत्री देश को दिएकृमोरारजी भाई देसाई व चौधरी चरण सिंह। 1980 में जनता पार्टी का विघटन हुआ। संपूर्ण क्रांति के सूत्रधार लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी ने एकता के इस आंदोलन में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी समेत कई नेताओं को संगठित किया था। लेकिन मतभेदों के चलते विघटन भी उसी तरीके से हुआ जैसा कि गठन हुआ था। एक अंतराल के बाद, बोफोर्स तोप का मामला पुनः से विपक्षी दलों को एकजुट करने का माध्यम बना। तत्कालीन वित्त व रक्षा मंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में जनता दल का गठन हुआ, और जनता दल (राष्ट्रीय मोर्चा) सरकार के वे प्रधानमंत्री बनेय हालांकि यह सरकार भी केवल ग्यारह माह ही रही। तत्पश्चात, चंद्रशेखर ने कांग्रेस नेता राजीव गांधी की रणनीति के चलते समर्थन से छह माह के लिए प्रधानमंत्री पद संभाला। शरद यादव लोकसभा के 5वें, 6वें, 10वें, 11वें, 13वें एवं 15वें सत्रों के लिए तीन राज्यों से चुने गए तथा उच्च सदन राज्यसभा के तीन सत्रों के लिए निर्वाचित होकर दोनों सदनों में सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों को बखूबी से उठाया। उनके व्यंग्यात्मक शिल्प ने सदन में बहसों को जीवंत बनाया। अपनी लम्बी और यादगार राजनीतिक पारी में वे मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार से दोनों सदनों के लिए चुने जाते रहे। अंतः बिहार को राजनीतिक कर्मभूमि बनाया। शरद यादव साझी विरासत के पक्षधर थे। श्साझी विरासत बची रहेगी तो देश बचा रहेगा, जाति नहीं बल्कि जमात जोड़ो, सामाजिक न्याय, विषमता, जाति जनगणना, के प्रबल हिमायती रहे और आम लोगों से मिलने –जुलने, संवाद करने आदि के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे। जिसका अब अभाव हो गया है। मंडल मसीहा और प्रखर समाजवाद के समर्थक शरद यादव को उनकी की 78वीं जयंती पर कोटि–कोटि नमन। (लेखक विचार मंच से जुड़े हैं।)

मतदाता सूची पुनरीक्षण या मताधिकार पर हमला

राजेंद्र शर्मा

यह अगर संयोग ही है तब भी बहुत कुछ बताने वाला संयोग है। 25 जून को, जिस दिन बड़े जोर–शोर से संविधान हत्या दिवस के नाम से मौजूदा शासन द्वारा इंदिरा गांधी की इमरजेंसी की पचासवीं बरसी मनायी जा रही थी, ठीक उसी रोज बिहार में, जहां अब से कुछ ही महीने में विधानसभा के चुनाव होने हैं, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण या स्पेशल इंटेंसिव रिव्यू (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू हो रही थी। इस तरह, जिस तारीख से संविधान तथा जनतंत्र के लिए खतरनाक निहितार्थों के साथ इमरजेंसी निजाम की शुरूआत हुई थी, ठीक उसी तारीख से मतदाता सूचियों में भारी काट–छांट की यह प्रक्रिया शुरू की जा रही है, जिसके जनतंत्र की बुनियाद, सार्वभौम वयस्क मताधिकार के लिए ही खतरनाक नतीजे होने जा रहे हैं। बेशक, इस प्रक्रिया की शुरूआत फिलहाल बिहार से हो रही है। और बिहार के सिलसिले में इस प्रक्रिया के संभावित दुष्परिणामों को रेखांकित करने के अलावा, करीब–करीब सभी जानकार और टिप्पणीकार एक और समस्या की ओर ध्यान खींच रहे हैं। प्रायरू सभी जानकार इस पर एकमत हैं कि बिहार के चुनाव से पहले इस प्रक्रिया का पूरा होना, इसके लिए तय की गयी समय सूची का पालन हो पाना, लगभग श्असंभवश है। समय सूची के अनुसार, 24 जून को भारत के चुनाव आयोग द्वारा उक्त विशेष गहन पुनरीक्षण का नोटिस जारी किए जाने के बाद, महीने भर के अंदर सभी 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं के हस्ताक्षरित फार्म बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से आयोग की वैबसाइट के जरिए आयोग के पास पहुंच जाने चाहिए, ताकि संशोधित मतदाता सूची में इन नामों को शामिल किए जाने पर विचार किया जा सके। याद रहे कि बचे हुए एक महीने से कम समय में जिन मतदाताओं के हस्ताक्षरयुक्त तथा आवश्यक प्रमाणपत्रों से युक्त फार्म आयोग के पास पहुंच जाएंगे, उनके और सिर्फ उन्हीं के नाम संशोधित मतदाता सूची में शामिल होने के विचारार्थ स्वीकार किए जाएंगे। जो ये फार्म नहीं भर पाएंगे या जिनके मुकम्मल फार्म तय अंतिम तारीख तक आयोग के पास नहीं पहुंच पाएंगे, वे खुद ब खुद प्रस्तावित मतदाता सूचियों से बाहर हो जाएंगे।बेशक, अब तक के मतदाता सूचियों में शामिल मतदाताओं को, उनके मतदाता सूचियों में जुड़ने की तारीख के हिसाब से तीन अलग–अलग श्रेणियों में बांटा गया और इनमें से हरेक श्रेणी में आने वाले मतदाताओं से अलग–अलग हद तक दस्तावेजों की मांग की गयी है, लेकिन अपने जन्मस्थान व जन्म तिथि के प्रमाण के साथ अर्जी देने की शर्त सभी 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए है। एक महीने से कम समय में यह प्रक्रिया पूरी होना असंभव है। बिहार के ही संदर्भ में विपक्षी पार्टियों द्वारा भी और अनेक स्वतंत्र प्रेक्षकों द्वारा भी यह याद दिलाया गया है कि बिहार में ही मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में किया गया था। लेकिन, उस समय इस प्रक्रिया के पूरा होने में दो साल लगे थे। जाहिर है कि पुनरीक्षण के नाम में, गहन से पहले, विशेष का विशेषण और जोड़ने से ही, इसमें लगने वाला समय, बहुत कम नहीं हो जाएगा। फिर भी मुद्दा सिर्फ इस पूरी प्रक्रिया के लिए उपलब्ध समय का ही नहीं है, हालांकि बिहार के संदर्भ में इस जल्दबाजी का भी विशेष अर्थ भी है और महत्व भी। इसी दौरान चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण का यह प्रोजेक्ट पूरे देश के पैमाने पर लागू किया जाएगाकृ पहले बिहार में, फिर उन राज्यों में जहां अगले चक्र में विधानसभाई चुनाव होने हैं और फिर बाकी सभी राज्यों में भी। इस संदर्भ में समय–सारणी की अनुपयुक्तता से भी ज्यादा महत्वपूर्ण इस प्रक्रिया के लिए अपनायी जाने वाली पद्धति से जुड़े अन्य मुद्दे हो जाते हैं। अंग्रेजी की यह कहावत इस पर एकदम फिट बैठती है कि–डेविल इज इन डिटेल यानी राक्षस तो ब्यौरे में है! बहरहाल, प्रक्रिया के इन ब्यौरों में जाने से पहले, एक नजर यह निर्णय जिस तरह लिया गया है, उसके अलोकतांत्रिक मनमानेपन पर डालना भी अनुपयुक्त नहीं होगा। हैरानी की बात नहीं है कि बिहार में ही नहीं बल्कि देश भर में लगभग समूचे विपक्ष ने चुनाव आयोग द्वारा बम की तरह अचानक अपने सिर पर इस फैसले के फोड़ दिए जाने की भी तीखी आलोचना की है। नये मुख्य चुनाव आयुक्त के आने के बाद, राजनीतिक पार्टियों के साथ परामर्श में भी और आम तौर पर भी चुनाव आयोग ने आने वाले समय के लिए अपनी जो डेढ़ दर्जन प्राथमिकताएं बतायी थीं, उनमें इसका कोई जिक्र नहीं था। यहां तक कि बिहार में राजनीतिक पार्टियों के साथ चुनाव की तारीखों की घोषणा की ऐन पूर्व–संध्या में बुलायी गयी आखिरी बैठक में भी इसका कोई जिक्र नहीं था। जैसे चुनाव आयोग को एक दिन अचानक मतदाता सूचियों में ऐसा पुनरीक्षण कराने की जरूरत का इलहाम हुआ और उसने राजनीतिक पार्टियों से, जो चुनाव में मुख्य खिलाड़ी होती हैं, किसी भी चर्चा के बिना ही यह फैसला थोप दिया। लेकिन क्यों?जाहिर है कि चुनाव आयोग ने इसके पक्ष में मतदाता सूचियों को स्वच्छ बनाने की दलील दी है। नये नाम जुड़ने तथा मृतकों के नाम कटने की कमजोरियों से लेकर, पलायन से लेकर अवैध घुसपैठ तक की दलीलें दी हैं। लेकिन, ये दलीलें बहानेबाजी ही ज्यादा लगती हैं। इस बहानेबाजी में जो सांप्रदायिक इशारे झांक रहे हैं, वे भी किसी से छुपे नहीं रहेंगे। सच्चाई यह है कि बिहार से अब जो प्रक्रिया शुरू हो रही है, एक प्रकार से समूची मतदाता सूची ही नये सिरे से बनाए जाने की प्रक्रिया है। क्या 2024 के आम चुनाव जिस मतदाता सूची के आधार पर हुए थे, उसे पूरी तरह से खारिज करने के जरिए चुनाव आयोग आम चुनाव की वैधता को ही खारिज नहीं कर रहा है। यह सिर्फ बिहार में चुनाव के लिए ही नहीं है, पूरे देश में आम चुनाव के लिए ही है, क्योंकि यह नुस्खा पूरे देश के लिए ही पेश किया जा रहा है। यह दिलचस्प है कि चुनाव आयोग ने चंद महीने पहले ही देश भर में मतदाता सूचियों के समरी रिवीजन की प्रक्रिया पूरी की थी। उसके बाद अचानक मतदाता सूची ही नये सिरे से बनाए जाने का निर्णय लिए जाने की क्या तुक है? अब हम ब्यौरों पर आते हैं। इसके लिए अपनायी जाने वाली पद्धति या प्रक्रिया के ब्यौरों का पहला पक्ष, उसके मूल सिद्धांत का है। अब तक भारत में मतदान सूची में लोगों को भर्ती करना राज्य या शासन की जिम्मेदारी रही है। मताधिकार की आयु पूरी होते ही, हरेक व्यक्ति मत का अधिकारी हो जाता है और उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज करना चुनाव आयोग अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानता आया है। नयी प्रक्रिया में, जिसमें मतदाता सूची में नाम लिखवाने के लिए मतदाता को अपने हस्ताक्षरों के साथ और विभिन्न प्रमाणों के साथ अर्जी देनी है, यह जिम्मेदारी सीधे–सीधे मतदाता पर डाल दी गयी है। अब जो इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर पाएगा, स्वाभाविक रूप से मतदाता सूची में नहीं आएगा। उसका छूट जाना, चुनाव आयोग या शासन की सिरदर्दी नहीं है। यह जनतंत्र की अभिव्यक्ति के रूप में चुनाव की व्यवस्था की ही जड़ पर कुठाराघात है।ब्यौरों का दूसरा पहलू, अपनायी जाने वाली प्रक्रिया से है। प्रक्रिया यह तय की गयी है कि जुलाई 1987 से पहले से जो मतदाता हैं यानी जिनकी आयु 48 वर्ष या उससे अधिक है, उन्हें अपने जन्म स्थानधतिथि का ही प्रमाण देना होगा और मतदाता सूची में अपने नाम की यथावत मौजूदगी का प्रमाण। लेकिन, जो जुलाई 1987 से लेकर 2 दिसंबर 2004 तक मतदाता बने हैं, उन्हें उक्त प्रमाणों के साथ अपने माता–पिता में से किसी एक का जन्म स्थानध तिथि प्रमाणपत्र भी देना होगा। और 2 दिसंबर 2004 के बाद जो मतदाता बने हैं, यानी जिनकी आयु 18 से 21 वर्ष है, उन्हें माता–पिता, दोनों का जन्म स्थानधतिथि प्रमाणपत्र देना होगा। माताध पिता के जन्म स्थान के सत्यापन का मतदाता के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए अनिवार्य किया जाना, इस पूरी प्रक्रिया को डरावने तरीके से नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन्स या एनआरसी तैयार करने की विवादास्पद प्रक्रिया की प्रतिलिपि बना देता है।

हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम

ललित गर्ग

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रत्तर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू–टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक–राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह–अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक–दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा। हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ–पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी में पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा–संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र–भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है। भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा–अनचाहा–सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है। फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी–पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरुआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। ऐसे में निश्चित ही मराठा राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिंदी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर तीखे हिंदी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ–साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पड़ेगा। हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे? हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा–राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएग और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता की जीत हासिल हो जाएगी। महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर–सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41 प्रतिशत हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76 प्रतिशत से 73.4 प्रतिशत पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया। इसीलिये हिंदी लादने के इस फैसले ने न केवल उद्धव और राज ठाकरे को आक्रामक रूप में सामने ले आई बल्कि 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक मंच पर आने की खबर ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी।

शेफाली की मौत के बाद पति पर आई थी शक की सूई? पुलिस ने की पूछताछ, करीबी दोस्त का शॉकिंग खुलासा

हाल ही में इसे लेकर शेफाली की करीबी दोस्त पूजा घई ने शॉकिंग खुलासा किया है। शेफाली की करीबी दोस्त और एक्ट्रेस पूजा घई ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि जिस दिन शेफाली की मौत हुई, उसी दिन पुलिस ने पराग त्यागी से पूछताछ की थी। पूजा ने कहा कि उन्हें डर था कि कहीं इस हादसे की वजह से पराग पर कोई शक न आ जाए या वह किसी कानूनी पेच में न फंस जाए।

'कांटा लगा' फेम एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के असामयिक निधन ने बॉलीवुड और उनके चाहने वालों को गहरे सदमे में डाल दिया। शुरुआत में कहा गया कि उनकी मौत कार्डियक अरेस्ट यानी दिल के दौरे से हुई, लेकिन घटनास्थल पर पुलिस और फोरेंसिक टीम की उपस्थिति ने इस मामले को संदिग्ध बना दिया। पुलिस ने परिवार के सदस्यों के साथ–साथ घर के स्टाफ से भी पूछताछ की। हर संभव पहलू से मामले की जांच की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मृत्यु की कोई आपराधिक या संदिग्ध वजह नहीं थी। इस सिलसिले में पति पराग त्यागी से भी पूछताछ की गई थी। हाल ही में इसे लेकर शेफाली की करीबी दोस्त पूजा घई ने शॉकिंग खुलासा किया है। शेफाली की करीबी दोस्त और एक्ट्रेस पूजा घई ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि जिस दिन शेफाली की मौत हुई, उसी दिन पुलिस ने पराग त्यागी से पूछताछ की थी। पूजा ने कहा कि उन्हें डर था कि कहीं इस हादसे की वजह से पराग पर कोई शक न आ जाए या वह किसी कानूनी पेच में न फंस जाए। उन्होंने कहा "जब मैंने पराग को देखा, मुझे डर लगा। वह गहरे सदमे में था, अकेले रहना चाहता था और उसी समय पुलिस उससे सवाल कर रही थी। मुझे लगा कि वह इन सब चीजों से और टूट सकता है।" पूजा ने कहा "पिछले कई केस में हमने देखा है कि जिनके सबसे नजदीकी होते हैं, उन्हीं से लंबी पूछताछ होती है और उनकी जिंदगी जैसे थम जाती है। मैं चाहती थी कि पराग जल्दी से इस स्थिति से बाहर निकले। इसीलिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का सबको बेसब्री से इंतजार था। लंबी जांच और अटकलों के बाद जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई, तो इससे पराग त्यागी और पूरे परिवार को राहत मिली। रिपोर्ट में किसी तरह की गड़बड़ी या बाहरी कारण से मौत की बात सामने नहीं आई। यह पुष्टि हुई कि शेफाली की मौत स्वाभाविक कारणों से हुई, और इस केस में कोई आपराधिक एंगल नहीं था। पूजा ने कहा– "शुक्र है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कुछ भी संदिग्ध नहीं निकला और पराग को रिहा कर दिया गया। वह अब अपना शोक पूरी तरह से व्यक्त कर पाएगा।"

मालिक मेरे लिए स्थापित छवि से बाहर निकलने का एक अवसर : राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव का कहना है कि वह लंबे समय से अपनी स्थापित छवि से बाहर निकलने का अवसर तलाश रहे थे और यह मौका उन्हें अपनी आने वाली फिल्म मालिक में एक गैंगस्टर की भूमिका के जरिये मिला। मालिक 1980 के दशक के इलाहाबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो महत्वाकांक्षा, सत्ता और अस्तित्व की कहानी बयां करती है। इसका निर्देशन भक्षक फेम पुलकित ने किया है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर राव ने संवाददाताओं से कहा, ''एक अभिनेता को अपनी छवि तोड़ने के बहुत कम मौके मिलते हैं और मैं हमेशा ऐसे ही किरदारों की तलाश करता हूं, जैसा कि मैंने श्रीकांत में किया था। अभिनेता के तौर पर हमेशा कुछ नया और चुनौतीपूर्ण करने की आकांक्षा रहती है। मुझे खुशी है कि मालिक मेरे पास आई। इस फिल्म में काम कर मुझे बेहद आनंद आया।'' राव और निर्देशक पुलकित ने इससे पहले 2017 में वेब सीरीज बोसरू डेड/अलाइव में साथ काम किया था। 'शाहिद', 'न्यूटन', 'स्त्री' और 'श्रीकांत' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा पा चुके राव ने उम्मीद जताई कि दर्शकों को फिल्म में उनका काम पसंद आएगा। उन्होंने कहा, ''हम अभिनेता के तौर पर हमेशा चाहते हैं कि लोग हमारे किरदार को याद रखें और उसी से हमें पहचानें। लोग मुझे इस अवतार में पहली बार देखेंगे।'' उन्होंने बताया कि किरदार निभाने के लिए उन्होंने पूरी तरह निर्देशक की दृष्टि और पटकथा पर भरोसा किया। राव ने कहा, ''यह सब कल्पना पर आधारित है और वह दुनिया हमें दिखानी थी जो पुलकित ने अपने लेखन से रची।'' फिल्म में हिंसा की प्रस्तुति को लेकर पूछे गए एक सवाल पर राव ने कहा, ''अगर कहानी और किरदार मजबूत हो और फिल्म अच्छी तरह से बनाई गई हो, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं।'' मालिक में राजकुमार राव के अलावा मानुषी छिल्लर, सौरभ शुक्ला, सौरभ सचदेवा, प्रोसेनजीत चटर्जी और स्वानंद किरकिरे भी हैं। शंघाई और जुबली जैसी हिंदी फिल्मों और सीरीज में नजर आ चुके प्रोसेनजीत चटर्जी ने कहा कि वह राव के साथ काम करने का मौका नहीं गंवाना चाहते थे। उन्होंने कहा, ''मुझे मालिक जैसी किसी फिल्म की उम्मीद ही नहीं थी। जब मुझसे इस फिल्म के लिए संपर्क किया गया और मैंने निर्देशक से मुलाकात की, तो उनके जुनून को देखकर मैं चकित रह गया।'' मालिक का निर्माण कुमार तौरानी की टिप्स फिल्म्स) और जय शेवकर्माणी की नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सुंदर दिखने को लिए हर हफ्ते इंजेक्शन लगवाती थी एक्ट्रेस बॉलीवुड में छिड़ी नई चर्चा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की शुक्रवार को अचानक मौत हो गई। कहा जा रहा है कि उनकी मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही खुलासा होगा कि आखिर मौत किन कारणों के कारण हुई है। बताया जा रहा है कि शेफाली कई वर्षों से एंटी–एजिंग दवाइयां ले रही थीं। 27 जून को परिवार ने घर में धार्मिक पूजा रखी थी, जिसके चलते पूरा दिन उसने व्रत रखा था। इसके बावजूद दोपहर में उन्होंने कथित तौर पर एंटी–एजिंग दवा का इंजेक्शन ले लिया, जिस कारण इसका गंभीर असर हुआ। वहीं इसके बाद ही हर तरफ एंटी एजिंग ट्रीटमेंट्स और ब्यूटी करेक्शन सर्जरी को लेकर चर्चा शुरू हो रही है।

हाल में अभिनेत्री करीना कपूर ने कहा कि वो बोटोक्स के खिलाफ हैं, तो वहीं मल्लिका शेरावत ने वीडियो शेयर कर कहा कि नैचुरल ब्यूटी को अपनाएं जबकि सर्जरी और दवाओं जैसे दूसरे तरीकों से बचें। इसी बीच एक्ट्रेस रोजलिन खान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि वो भी गोरी और चमकती त्वचा के लिए एक महीने में 4 इंजेक्शन लेती थी, लेकिन जब मैंने देखा फेयरनेस आ गई तो मैंने महीने में 2 इंजेक्शन और उसके बाद एक इंजेक्शन लिया। रोजलिन का कहना है कि इसकी एक लिमिट होती है, अगर आप ओवरडोज करते हैं तो आपकी बॉडी इसे झेल नहीं सकेगी।

नमित मल्होत्रा की रामायण का द इंट्रोडक्शन 9 शहरों में एक साथ होगा लॉन्च

अब तक की सबसे बड़ी फिल्म रामायण की शुरुआत अब होने जा रही है। इस फिल्म को लेकर लोगों में पहले दिन से ही जबरदस्त उत्साह है। अब फिल्म का पहला यूनिट 3 जुलाई को देश के 9 बड़े शहरों में लॉन्च किया जाएगा। इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं विजनरी प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा, जो इसे एक भव्य और ऐतिहासिक फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। इस लॉन्च के साथ रामायण की सिनेमाई यात्रा का पहला कदम उठाया जाएगा। देश के 9 बड़े शहरों मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद, कोलकाता, पुणे और कोच्चि में रामायण फिल्म का खास और बड़ा लॉन्च किया जाएगा। इसका मकसद है इस बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी और सोच को सीधे देश के लोगों और मीडिया तक पहुंचाना। ये सिर्फ एक लॉन्च नहीं है, बल्कि एक शुरुआत है जहां दुनिया की सबसे पुरानी कहानी को आज की नई तकनीक और शानदार इंटरनेशनल टीम के साथ फिर से दिखाया जाएगा। रामायण की शुरुआत से ही इसे लेकर लोगों में जबरदस्त उत्सुकता रही है। वजह ये है कि इसमें भारत की सबसे पूजनीय कहानी को दुनियाभर के बेहतरीन फिल्म बनाने वालों और टेक्निकल टीम के साथ मिलाकर दिखाया जा रहा है। ये फिल्म भारत और विदेश की टीम के साथ मिलकर बनाई जा रही है। पहले यूनिट का लॉन्च एक बड़ी शुरुआत है, जिससे रामायण की दुनिया तैयार की जा रही है, जो अलग–अलग देशों, सभ्यताओं और पीढ़ियों को जोड़ेगी। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी और नमित मल्होत्रा की प्राइम फोकस स्टूडियोज और 8 बार ऑस्कर जीत चुके वीएफएक्स स्टूडियो डनेग द्वारा प्रोड्यूस की जा रही रामायण, यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर बनाई जा रही है। इस महाकाव्य का पहला पार्ट दिवाली 2026 पर रिलीज की जाएगी, जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अगर सिर्फ पहले यूनिट के लॉन्च को नौ शहरों में इतने भव्य तरीके से सेलिब्रेट किया जा रहा है, तो सोचिए फिल्म रिलीज होने पर इसका ग्लोबल असर कितना बड़ा होगा। श्रामायणश की यात्रा अब आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है और अब पूरी दुनिया की नजर इस पर टिकी है।

पाकिस्तानी कलाकारों से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध हटा? दो महीने बाद भारत में दिखाई देने लगा मावरा होकेन का इंस्टाग्राम

अप्रैल 2025 में जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में एक घातक आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 पर्यटकों की जान चली गई थी। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान और POK (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) में आतंकी शिविरों के खिलाफ एक मजबूत सैन्य जवाबी कार्रवाई "ऑपरेशन सिंदूर" शुरू की। इसके साथ ही भारत ने ऑनलाइन एक बड़ा कदम उठाया– पाकिस्तानी अभिनेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट को ब्लॉक कर दिया। भारत सरकार और मनोरंजन उद्योग समूहों ने प्रतिबंध का समर्थन किया। उन्हें लगा कि भारत के खिलाफ बोलने वाले अभिनेताओं के लिए भारतीय दर्शकों से प्रशंसक और आय प्राप्त करना जारी रखना सही नहीं है। इस दौरान पाकिस्तानी कलाकारों के साथ कुछ फिल्म प्रोजेक्ट और ब्रांड डील भी रद्द कर दी गईं।

अब प्रतिबंध धीरे–धीरे हट रहा है

जैसे–जैसे हालात शांत हो रहे हैं, भारत में कुछ पाकिस्तानी अकाउंट अब बहाल किए जा रहे हैं। युमना जैदी, अहद रजा मीर और दानिश तैमूर जैसे अभिनेता एक बार फिर भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए इंस्टाग्राम पर दिखाई दे रहे हैं। इससे प्रशंसक खुश हैं– लेकिन यह अभी खत्म नहीं हुआ है। हानिया आमिर, माहिरा खान और फवाद खान जैसे बड़े नाम अभी भी भारत में ब्लॉक हैं और उनके चाहने वाले उनका इंतज़ार कर रहे हैं।

करीब दो महीने से ब्लॉक था अकाउंट

पाकिस्तानी अभिनेत्री का इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में करीब दो महीने से ब्लॉक है। लेकिन मंगलवार को मावरा के अकाउंट से बैन हटा लिया गया। हालांकि हानिया आमिर, माहिरा खान और फवाद खान समेत कई अन्य सितारों के इंस्टाग्राम अकाउंट पर बैन जारी है। इन सितारों की प्रोफाइल अभी भी भारतीय यूजर्स को दिखाई नहीं दे रही है।

इंस्टा स्टोरी पर सनम तेरी कसम का वीडियो

बता दें कि मावरा होकेन के इंस्टाग्राम पर 9.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कई पोस्ट शेयर किए हैं। इनमें से एक बॉलीवुड फिल्म श्सनम तेरी कसमश का वीडियो है। 2016 में रिलीज हुई इस फिल्म में मावरा ने मुख्य भूमिका निभाई थी और इसी से उन्हें भारतीय दर्शकों के बीच पहचान मिली थी। गौरतलब है कि श्सनम तेरी कसमश में मावरा के साथ बॉलीवुड अभिनेता हर्षवर्धन राणे नजर आए थे। इस साल फरवरी में इस फिल्म को फिर से रिलीज किया गया था। री–रिलीज में इसने अच्छा प्रदर्शन किया।

सीक्वल से मावरा बाहर

फिल्म के सीक्वल की बात करें तो मावरा को श्सनम तेरी कसम 2श से बाहर कर दिया गया है। उनके को–स्टार हर्षवर्धन राणे ने इंस्टाग्राम पर घोषणा की कि अगर पिछली कास्ट को दोहराया गया तो वह फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे। उन्होंने लिखा, श्हालांकि मैं इस अनुभव के लिए आभारी हूं, लेकिन जैसी स्थिति है और मेरे देश के बारे में की गई टिप्पणियों को पढ़ने के बाद, मैंने फैसला किया है कि अगर पिछली कास्ट को दोहराया जाता है, तो मैं सम्मानपूर्वक इससे हट जाऊंगा।श

फिल्म के निर्देशक राधिका राव और विनय सप्रू ने भी पुष्टि की कि मावरा अब इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा नहीं हैं। पाकिस्तानी अभिनेत्री ने हर्षवर्धन के इस कदम को पीआर स्टंट बताया था, जिसका अभिनेता ने भी करारा जवाब दिया था।

भारत में पाकिस्तानी यूट्यूब चौनल बैन नहीं हुए

इंस्टाग्राम अकाउंट के साथ–साथ, पाकिस्तानी डेली ड्रामा के सबसे लोकप्रिय यूट्यूब चौनल भी भारत में वापस आ गए हैं। प्रशंसक अब बिना किसी परेशानी के अपने पसंदीदा शो फिर से देख सकते हैं।

यहाँ कुछ शीर्ष चौनल दिए गए हैं जो अब भारत में दिखाई दे रहे हैं:

ग्रीन टीवी एंटरटेनमेंट

एआरवाई डिजिटल एचडी

हम टीवी

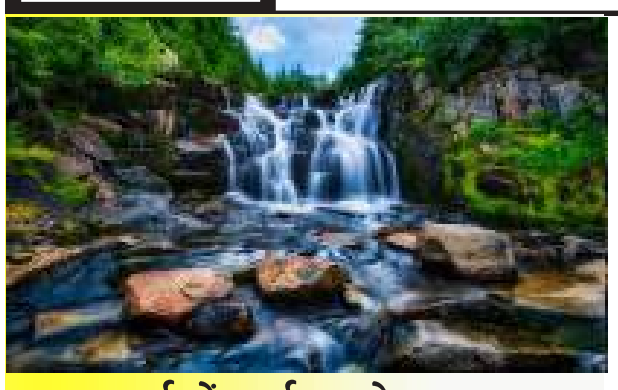

जुलाई में पार्टनर के साथ इन रोमांटिक जगहों को करें एक्सप्लोर, हर लम्हा होगा सुकून का एहसास

जुलाई साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के अधिकतर हिस्सों में झमाझम बारिश होती है। जब भी किसी शानदार जगहों पर बारिश होती है, तो कई कपल्स वहां पर घूमने के लिए प्लान बनाते हैं। बारिश के मौसम में पार्टनर संग शानदार वॉटरफॉल के नीचे मौज करना एक अलग ही अनुभव होता है। बारिश में चारों ओर झील और हरियाली भी कपल्स को खूब आकर्षित करती है। ऐसे में अगर आप भी जुलाई के महीने में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो हम आपको देश की कुछ टॉप क्लास रोमांटिक जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाबलेश्वर

जुलाई की रिमझिम बारिश में महाबलेश्वर लोगों की फेवरेट डेस्टिनेशन बन जाती है। यह महाराष्ट्र का फेमस हिल स्टेशन है। बेहतरीन और खूबसूरती के कारण इसको महाराष्ट्र में श्पहाड़ों की रानीश के नाम से भी जाना जाता है। देश के हर कोने से कपल्स मानसून में यहां पर घूमने के लिए पहुंचते हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए महाबलेश्वर स्वर्ग माना जाता है।

कहां घूमें

वेन्ना झील

लिंगमाला वॉटरफॉल

आर्थर सीट

गोकर्ण

अगर आप भी गोवा के बीचेज पर घूम–घूमकर बोर हो गए हैं, तो इस मानसून आपको गोकर्ण पहुंच जाना चाहिए। दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक में मैंगलोर के पास स्थित गोकर्ण को एक शानदार और खूबसूरत रोमांटिक डेस्टिनेशन माना जाता है। गोकर्ण अरब सागर के तट पर स्थित है। यहां के हसीन बीचेज शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। देश के हर कोने से कपल्स गोकर्ण हनीमून मनाने के लिए पहुंचते हैं।

कहां घूमें

ओम बीच

हाफ मून बीच

गोकर्ण बीच

उदयपुर

राजस्थान का उदयपुर झीलों के शहर के नाम से भी जाना जाता है। वहीं यह ऐतिहासिक होने के साथ रोमांटिक डेस्टिनेशन भी माना जाता है। बारिश के दिनों में देश के हर कोने से लोग यहां पर शाही मेहमान नवाजी का लुत्फ उठाने के लिए यहां पर पहुंचते हैं। उदयपुर अरावली पहाड़ियों से घिरा है। इसको राजस्थान के टॉप हनीमून डेस्टिनेशन्स में से एक है। बारिश के दिनों में यहां की खूबसूरती चरम पर होती है।

कहां घूमें

सिटी पैलेस

फतेहसागर झील

पिछोला झील

ऋषिकेश

जुलाई में बारिश भी अच्छी–खासी होती है। ऐसे में अगर आप किसी सुरक्षित और शानदार हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं, जहां पर लैंडस्लाइड का डर नहीं हो। तो आपको ऋषिकेश पहुंच जाना चाहिए। गंगा नदी के तट पर स्थित ऋषिकेश को योग नगरी के नाम से भी जाना जाता है। जुलाई की बारिश में हरियाणा, दिल्ली, पंजाब आदि राज्यों से कपल्स यहां पर क्वालिटी टाइम स्पेंड करने के लिए पहुंचते हैं।

कहां घूमें

लक्ष्मण झूला

त्रिवेणी घाट

परमार्थ निकेतन आश्रम

लोनावला

महाराष्ट्र के पुणे और मुंबई के बीच में स्थित लोनावला जुलाई में काफी खूबसूरत हो जाता है। बारिश के मौसम में यह एक रोमांटिक हिल स्टेशन बन जाता है। रिमझिम बारिश में यहां पर ठंडे मौसम, मनमोहक वॉटरफॉल और हरी–भरी घाटियां कपल्स को काफी आकर्षित करते हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए लोनावला को स्वर्ग माना जाता है। कई कपल्स यहां पर क्वालिटी टाइम स्पेंड करते हैं और एडवेंचर एक्टिविटी का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं।

कहां घूमें

पवना झील

लायंस पॉइंट

टेबल टॉप

इस दिन से भगवान विष्णु चले जाएंगे विश्राम पर, 4 महीने के लिए बंद हो जाएंगे सभी शुभ कार्य

देवशयनी एकादशी जिसे आषाढ़ शुक्ल एकादशीभी कहा जाता है, हिंदू पंचांग के अनुसार बहुत ही पवित्र तिथि मानी जाती है। यह दिन भगवान विष्णु के शयन यानी सोने की शुरुआत का प्रतीक होता है। इस दिन से लेकर अगले चार महीनों तक सभी शुभ और मांगलिक कार्य जैसे शादी, गृह प्रवेश, मुंडन आदि निषिद्ध माने जाते हैं। यहां जानिए इसके बाद विष्णु जी क्यों जाते हैं पाताल लोक

चार महीने के लिए सो जाएंगे भगवान विष्णु

मान्यता है कि आषाढ़ शुक्ल एकादशी के दिन भगवान विष्णु क्षीर सागर (समुद्र) में शेषनाग की शैय्या पर चार महीनों के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। इस अवधि को चातुर्मास कहते हैं। इस दौरान देवी–देवता भी विश्राम करते हैं और सृष्टि का संचालन धीमा हो जाता है। इसलिए इस समय को अध्यात्म, तप, भक्ति और नियमों के पालन का समय माना गया है। भगवान विष्णु के शयन में चले जाने से कोई भी शुभ कार्य अधूरा और निष्फल माना जाता है। इसीलिए देवशयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी (कार्तिक शुक्ल एकादशी) तक विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, नई व्यापारिक शुरुआत करने की मनाही होती है।

देवशयनी एकादशी व्रत का फल और महत्व

देवशयनी एकादशी का व्रत करना अत्यंत पुण्यदायक माना गया है। इस दिन यदि भगवान श्रीहरि विष्णु का विधिपूर्वक पूजन और व्रत किया जाए, तो जीवन के सभी प्रकार के पापों का नाश होता है। मन की अशुद्धियां दूर होती हैं और आत्मा को शुद्धि की ओर ले जाया जाता है। इस व्रत से जीवन में आ रही परेशानियां खत्म होने लगती हैं और मानसिक तनाव से राहत मिलती है। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति नियमित रूप से यह व्रत करता है, तो उसके जीवन में बन रहे दुर्घटनाओं के योग भी टल जाते हैं। साथ ही यह व्रत सद्बुद्धि, संयम और मानसिक शांति प्रदान करता है।

देवशयनी एकादशी पर करें ये उपाय

–भगवान विष्णु को पीले फूल और पीली मिठाई अर्पित करें।

–तुलसी दल चढ़ाकर विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।

–गरीबों को पीले वस्त्र, चना दाल और गुड़ का दान करें।

–जल में चंदन और फूल डालकर स्नान करें, व्रत रखें।

–संकल्प लें कि चातुर्मास में मांस–मदिरा, तामसिक भोजन से दूर रहेंगे।

इन उपायों से घर में सुख–शांति बनी रहती है और विष्णु जी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

कुछ कथाओं के अनुसार, जब भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं, तब वह सृष्टि से परे रहते हैं, जिसे प्रतीक रूप में पाताल लोक या अन्य दिव्य लोक भी कहा जाता है। इसका आध्यात्मिक अर्थ है कि ब्रह्मांड की गति अंदर की ओर यानी आत्मचिंतन और साधना की ओर हो जाती है। देवशयनी एकादशी एक बहुत ही शुभ और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण दिन होता है। इस दिन से चातुर्मास की शुरुआत होती है, जो आत्म–शुद्धि और नियमों के पालन का समय है। यदि हम इस दिन को श्रद्धा और नियम से मनाएं, तो जीवन में सुख, शांति और समृद्धि अवश्य आती है।

पॉटी रोकने की आदत बना सकती है उम्रभर की बीमारी, हो सकते हैं ये 5 गंभीर रोग!

आधुनिक जीवनशैली में महिलाओं के सामने एक गंभीर समस्या आ रही है–पब्लिक प्लेसेस और ऑफिस में टॉयलेट जाने से बचना। चाहे कितना भी तेज प्रेशर क्यों न आ रहा हो, सफाई की चिंता या शर्म के कारण कई महिलाएं पॉटी रोकने को मजबूर हो जाती हैं। लेकिन यह आदत आपके स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। शरीर की प्राकृतिक जरूरतों को रोकना गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। श्मल त्याग को बार–बार रोकने से न सिर्फ पेट की समस्याएं बढ़ती हैं, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है, डॉक्टर ने बताया।

कब्ज और आंतों में खिंचाव की गंभीर समस्या

पॉटी रोकने की आदत का सबसे पहला और गंभीर परिणाम कब्ज की समस्या है। जब आप बार–बार मल त्याग को टालती हैं, तो आंतों में मल सख्त हो जाता है, जिससे बाद में इसे निकालना मुश्किल हो जाता है। यह स्थिति क्रोनिक कब्ज का रूप ले सकती है, जो पेट में भारीपन, एसिडिटी और अपच की समस्या को बढ़ाता है। इसके साथ ही आंतों में खिंचाव की समस्या भी शुरू हो जाती है। मल को रोकने से पेट में तेज ऐंठन, दर्द और असुविधा महसूस होने लगती है। कई बार यह दर्द इतना बढ़ जाता है कि आपकी डेली रूटीन पूरी तरह प्रभावित हो जाती है। पेट में लगातार दबाव और तनाव के कारण आंतों की मांसपेशियों पर अतिरिक्त जोर पड़ता है, जो लंबे समय में गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है।

पाइल्स और फिशर का दर्दनाक अनुभव

कब्ज की समस्या बढ़ने पर सबसे गंभीर परिणाम पाइल्स और फिशर के रूप में सामने आता है। जब आप मल त्याग के लिए जोर लगाती हैं, तो गुदे की नसों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। इस स्थिति में बवासीर होने का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। श्पाइल्स और फिशर की स्थिति अत्यंत दर्दनाक होती है, जिसमें कभी–कभी खून भी आने लगता है।श यह समस्या महिलाओं के लिए विशेष रूप से परेशानी का कारण बनती है क्योंकि इससे बैठने, चलने और दैनिक कार्यों में भी असहनीय दर्द होता है। फिशर की स्थिति में गुदे के आसपास की त्वचा में दरारें पड़ जाती हैं, जो हर बार मल त्याग के दौरान तेज जलन और दर्द का कारण बनती हैं। यह दुष्चक्र इतना गंभीर हो जाता है कि महिलाएं मल त्याग से और भी ज्यादा बचने लगती हैं।

पाचन तंत्र पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव

मल को लंबे समय तक रोकने से पाचन तंत्र पर गंभीर दबाव पड़ता है। इस आदत के कारण खाना पचाने में अधिक समय लगता है और पेट में एसिडिटी की समस्या बढ़ जाती है। महिलाओं को उल्टी जैसी परेशानी भी महसूस होने लगती है। डॉक्टर के अनुसार, पाचन तंत्र में गड़बड़ी के कारण पेट में अम्ल का स्राव बढ़ जाता है, जो पेट के अल्सर का कारण बन सकता है। यह स्थिति डाइजेस्टिव सिस्टम से जुड़ी अन्य गंभीर समस्याओं को भी जन्म देती है। पाचन प्रक्रिया में बाधा के कारण पेट में गैस का बनना, पेट फूलना और खाने के बाद भारीपन की समस्या लगातार बनी रहती है। यह सब मिलकर महिलाओं की जीवनशैली को पूरी तरह प्रभावित कर देता है।

शरीर में टॉक्सिन्स का जमाव और इसके गंभीर परिणाम

मल त्याग में देरी करने या इसे बार–बार रोकने से आपके शरीर में टॉक्सिक पदार्थ वापस जमा होने लगते हैं। यह स्थिति महिलाओं के लिए विशेष रूप से हानिकारक है क्योंकि इससे शरीर की प्राकृतिक सफाई प्रक्रिया बाधित हो जाती है। जब मल शरीर में लंबे समय तक रुकता है, तो हानिकारक तत्व वापस रक्त में मिल जाते हैं। इसके कारण महिलाओं में लगातार थकान, चिड़चिड़ाहट और तेज सिरदर्द की समस्या बढ़ जाती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि त्वचा संबंधी समस्याएं भी शुरू हो जाती हैं। चेहरे पर दाग–धब्बे, मुंहासे और त्वचा की चमक का खत्म होना इसके प्रमुख लक्षण हैं। शरीर को स्वस्थ और साफ रखने के लिए नियमित मल त्याग अत्यंत आवश्यक है।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव और डॉक्टरी सलाह

पॉटी रोकने का सबसे गंभीर परिणाम मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। पेट में भारीपन और लगातार दर्द के कारण महिलाओं में चिड़चिड़ाहट बढ़ जाती है। काम में मन नहीं लगता और नींद भी प्रभावित होती है। डॉक्टर की सलाह के अनुसार इससे बचने के लिए सुबह उठकर सबसे पहले टॉयलेट जाने की आदत डालें। अपनी डाइट में फाइबर से भरपूर फल, सब्जियां और दालें शामिल करें। दिनभर में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी पिएं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चाहे कितने भी व्यस्त हों, शरीर के संकेतों को नजरअंदाज न करें। घर और ऑफिस दोनों जगह स्वच्छता का ध्यान रखें ताकि आप मल रोकने के लिए मजबूर न हों।

क्या आपने ट्राई किया है पनीर स्टफ्ड फ्राइड बैंगन रेसिपी, स्वाद में भी है लाजवाब

जब भी बैंगन बनाने की बात आती है, तो लोग इसका या तो भरता बनाते हैं या फिर आलू के साथ सब्जी बनाते हैं। ज्यादा से ज्यादा बैंगन के पकौड़े बना लिए जाते हैं। लेकिन क्या आपने बैंगन की कोई और रेसिपी ट्राई की है। अगर नहीं तो आज हम आपको पनीर स्टफ्ड फ्राइड बैंगन की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। इसको एकदम अलग अंदाज में बनाया जाता है। यह न सिर्फ देखने में जबरदस्त लगता है, बल्कि स्वाद में भी लाजवाब होता है। आप इस रेसिपी को पार्टी स्टार्टर के रूप में परोस सकती हैं। हालांकि यह रेसिपी उन लोगों के लिए है, जो मीट नहीं खाते हैं, लेकिन वैसी ही टेस्टी फिलिंग चाहते हैं। तो आइए जानते हैं इसकी रेसिपी के बारे में...

पनीर स्टफ्ड फ्राइड बैंगन सामग्री

बैंगन– 2 बड़े साइज के

बैटर तैयार करने के लिए– 2 अंडे

सॉर क्रीम या खट्टी दही– 1 कप

स्वीट पपरिका– ½ छोटा चम्मच

मैदा– 2 बड़े चम्मच

फिलिंग के लिए– 250 ग्राम पनीर (कद्दूकस किया हुआ)

प्याज– 1 (बारीक कटा)

हरा धनिया– 2 बड़े चम्मच

काली मिर्च पाउडर– ½ छोटा चम्मच

पपरिका– ½ छोटा चम्मच

डिपिंग सॉस के लिए– 2 लहसुन की कलियां (कद्दूकस की हुई)

काली मिर्च पाउडर– ½ छोटा चम्मच

सोया सॉस– 1 छोटा चम्मच

मस्टर्ड सॉस– ½ छोटा चम्मच

नींबू का रस– 1 बड़ा चम्मच

मेयोनी– 3 बड़े चम्मच

स्वादानुसार नमक

ऐसे बनाएं पनीर स्टफ्ड फ्राइड बैंगन

बैंगन को धोकर सुखा लें और इसको दो बराबर हिस्से में काट लें। अब एक एक हिस्से को चाकू से वर्टिकल निशान बनाएं कि यह क्रिस–क्रॉस जैसा दिखे। फिर एक ट्रे में सारे बैंगन रख लें और ऊपर से नमक डालें। फिर नमक लगे हुए बैंगन के टुकड़ों को बटर पेपर से ढककर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अब इनको एक पतीले में डालकर पानी से साफ कर लें। बैंगन को किचन टॉवल से सुखा लें। प्याज को बारीक काट लें और कद्दूकस किया हुआ पनीर, प्याज, हरा धनिया, काली मिर्च, नमक और पपरिका मिलाएं। इस तरह से बैंगन के स्लाइस में भरने के लिए फिलिंग तैयार है। दूसरे बर्तन में खट्टा दही, मैदा, अंडे, नमक और पपरिका डालकर स्मूद बैटर तैयार कर लें। अब बैंगन का स्लाइस लेकर पनीर फिलिंग को क्रिस–क्रॉस एरिया में रखें। सभी खाली जगहों को फिलिंग करने के बाद इनको ट्रे में रख लें। एक कड़ाही में तेल गर्म कर लें और एक–एक स्लाइस को को बैटर में अच्छे से कोट करके कड़ाही में डालें। इसको सुनहरा होने तक पकाएं और पलटकर दोनों तरफ से ब्राउन और क्रिस्पी होने दें। फिर सर्विंग प्लेट पर निकालकर इसके बराबर टुकड़े कर लें। साथ ही डिपिंग सॉस तैयार कर लें। एक कटोरी में मस्टर्ड, लहसुन, मेयोनेज, सोया सॉस, नींबू रस और मसाले मिलाकर सॉस तैयार कर लें। अब आप इसको डिपिंग सॉस के साथ फ्राइड स्नैक की तरह सर्व करें या फिर कॉफी या चाय के साथ लुत्फ उठाएं।

संक्षिप्त

घी, साबुन और स्नैक्स होंगे सस्ते? 12% GST स्लैब हटाने की तैयारी में मोदी सरकार

केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के ढांचे में जल्द ही महत्वपूर्ण बदलाव कर सकती है, जिससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है। मीडिया रिपोर्ट में सरकारी सूत्रों के हवाला से बताया गया है कि चर्चा के तहत एक प्रमुख प्रस्ताव यह है कि या तो कुछ आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी को 12: से घटाकर 5: कर दिया जाए या 12: स्लैब को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाए। सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में 12: जीएसटी लागू करने वाली अधिकांश वस्तुएं आम नागरिकों द्वारा रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुएं हैं। इनमें वे उत्पाद शामिल हैं जो मध्यम वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के उपभोग पैटर्न में प्रमुखता से शामिल हैं। विचाराधीन योजना में इन वस्तुओं को 5: के निचले कर स्लैब में पुनः वर्गीकृत करना शामिल है, जिससे वे अंतिम उपभोक्ताओं के लिए प्रभावी रूप से सस्ती हो जाएँगी। वैकल्पिक रूप से, सरकार 12: स्लैब को पूरी तरह से खत्म करने और वस्तुओं को मौजूदा निचले या उच्च स्लैब में पुनः आवंटित करने का विकल्प चुन सकती है। जीएसटी परिषद की आगामी 56वीं बैठक में अंतिम निर्णय लिए जाने की संभावना है। प्रोटोकॉल के अनुसार, परिषद की बैठक बुलाने से पहले 15 दिन का नोटिस देना आवश्यक है, लेकिन सूत्रों से संकेत मिलता है कि सत्र इस महीने के अंत में हो सकता है। यह कदम राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होने की उम्मीद है, खासकर चुनाव से पहले के वर्ष में, और आबादी के एक बड़े हिस्से द्वारा उपभोग की जाने वाली आवश्यक वस्तुओं पर मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने में मदद कर सकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद, जिसमें राज्य वित्त मंत्री शामिल हैं, के पास कर दरों में बदलाव की सिफारिश करने का अधिकार है। अगर यह प्रस्ताव पारित हो जाता है, तो यह 2017 में अप्रत्यक्ष कर प्रणाली लागू होने के बाद से जीएसटी दरों में सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक होगा।

पीएनबी ने बचत खातों में न्यूनतम औसत शेष राशि न रखने पर दंडात्मक शुल्क खत्म किया

वित्तीय समावेशन और ग्राहक सशक्तीकरण के लिए पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने सभी बचत खातों में न्यूनतम औसत शेष राशि (एमएबी) न रखने पर दंडात्मक शुल्क खत्म कर दिया है। पीएनबी ने बयान में कहा कि एक जुलाई, 2025 से प्रभावी यह पहल विशेष रूप से महिलाओं, किसानों और निम्न आय वाले परिवारों जैसे प्राथमिकता वाले वर्गों का समर्थन करने

के लिए है। बयान के मुताबिक, इस फैसले से न्यूनतम शेष राशि न रखने पर दंड के तनाव के बिना बैंकिंग सेवाओं तक आसान और अधिक समावेशी पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। पीएनबी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्रा ने कहा, ''यह फैसला समावेशी बैंकिंग के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा मानना घ्है कि इन शुल्कों को माफ करने से ग्राहकों पर वित्तीय दबाव कम होगा और औपचारिक बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र में अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।

विपक्ष ने सुरंग परियोजना में लगाया 3000 करोड़ के घोटाले का आरोप; किसानों के मुद्दे पर किया वॉकआउट

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विधानसभा और विधान परिषद का मानसून सत्र सोमवार से चल रहा है। इस दौरान सदन में विपक्षी पार्टियां सरकार पर तरह–तरह के आरोप लगा रही हैं। साथ ही, विपक्षी सदस्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी और विरोध करने के लिए सदन से वॉकआउट करते हुए नजर आएं। विपक्ष ने ठाणे सुरंग परियोजना को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा। विपक्षी विधायकों ने बुधवार को महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने इस परियोजना में 3,000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया और एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ देने का दावा किया। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने मई में इस सुरंग परियोजना की निविदा प्रक्रिया को रद्द कर दिया था। जब अयोग्य ठहराई गई कंपनी एलएंडटी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। महा विकास अघाड़ी के विधायक और विधान परिषद सदस्य विधान भवन की सीढ़ियों पर नारेबाजी की। उन्होंने सरकार पर सुप्रीम कोर्ट की कार्रवाई के डर से अनुबंध रद्द करने का आरोप लगाया। विपक्षीय नेता अंबादास दानवे (शिवसेना उद्धव गुट), कांग्रेस के सत्यजीत पाटिल और एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता जयंत पाटिल इस प्रदर्शन में शामिल हुए। दानवे ने कहा कि इस परियोजना के बारे में गंभीर चिंताएं जताए जाने के बावजूद सरकार इस पर जोर देती रही। यह केवल तकनीकी चूक नहीं है। बल्कि 3,000 करोड़ रुपये का घोटाला है, जिसे महाराष्ट्र की जनता नजरअंदाज नहीं कर सकती। कांग्रेस नेता सत्यजीत पाटिल ने आरोप लगाया कि ठेका जीतने वाली कंपनी चुनावी बांड की प्रमुख दाता रही है। उन्होंने कहा कि यह महज संयोग नहीं है। सरकार उसी कंपनी को फायदा पहुँचा रही है, जिससे उसे फंडिंग मिली। इससे पारदर्शिता और निष्पक्षता पर बुनियादी सवाल उठते हैं। पाटिल ने मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड नामक कंपनी को दिए गए सभी ठेकों की तत्काल समीक्षा की मांग की। विपक्ष का आरोप है कि यह कंपनी राज्य सरकार की पसंदीदा ठेकेदार बन गई है।

शमी ने मुझे नौकरी छोड़ने को कहा, इतना प्यार करती थी कि मैं तैयार हो गई, हसीन जहां का बयान

नई दिल्ली। भारतीय गेंदबाज मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां का कहना है कि वह शादी से पहले मॉडल थीं और अभिनय करती थीं। गेंदबाज ने उन्हें यह पेशा छोड़ने को कहा और उन्होंने उनकी बात मान ली। बता दें कि, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को निर्देश दिया कि वह अपनी पत्नी हसीन जहां और बेटी को उनके साथ चल रही कानूनी लड़ाई के दौरान हर महीने चार लाख रुपये गुजारा भत्ता दें। न्यायमूर्ति अजय कुमार मुखर्जी की एकल पीठ ने गुजारा भत्ता देने का आदेश पारित किया।

हसीन जहां का बयान

इस आदेश के बाद हसीन जहां का बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि शादी से पहले वह मॉडलिंग करती थीं, लेकिन शमी ने उन्हें गृहिणी बनकर जीने के लिए कहा। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए हसीन जहां ने कहा– श्मैं शादी से पहले मॉडलिंग और एक्टिंग करती थी। शमी ने मुझे मेरा पेशा छोड़ने के लिए मजबूर किया। वह चाहता था कि मैं सिर्फ एक गृहिणी की जिंदगी जिऊं। मैं शमी से इतना प्यार करती थी कि मैंने खुशी–खुशी यह स्वीकार कर लिया... लेकिन अब मेरे पास खुद की कोई कमाई नहीं है। हमारे भरण–पोषण की सारी जिम्मेदारी शमी को उठानी होगी। इसीलिए जब उसने इनकार किया तो हमें कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाना पड़ा। भगवान का शुक्र है कि हमारे देश में एक कानून है जो लोगों को अपनी जिम्मेदारियां उठाने का आदेश देता है... अगर आप किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं, तो उसके चेहरे पर यह नहीं लिखा होता कि उसका चरित्र खराब है, वह अपराधी है या वह आपके और आपकी बेटी के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेगा... मैं भी ऐसी ही शिकार हुई... भगवान ने बड़े से बड़े अपराधियों को माफ कर दिया है। इस दौरान हसीन जहां ने शमी पर उनकी जिंदगी बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा– वह (शमी) अपनी बेटी की सुरक्षा, भविष्य और खुशी नहीं देख सकता। उसे हसीन जहां की जिंदगी बर्बाद करने की अपनी जिद भी छोड़ देनी चाहिए। वह मुझे बर्बाद नहीं कर सकता क्योंकि मैं न्याय के रास्ते पर हूं जबकि वह अन्याय के रास्ते पर है।

पत्नी को 1.5 लाख और बेटी को 2.5 लाख रुपये प्रतिमाह देंगे शमी

उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अजय कुमार मुखर्जी द्वारा पारित आदेश में कहा गया है, मेरे विचार से, याचिकाकर्ता नंबर एक (हसीन जहां) को 1,50,000 रुपये प्रति माह और उसकी बेटी को 2,50,000 रुपये की राशि मामले का निपटारा होने तक दोनों याचिकाकर्ताओं के लिए वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उचित होगा। आदेश में कहा गया है, हालांकि याचिकाकर्ता के बच्चे के संबंध में पति/विपरीत पक्ष (शमी) को हमेशा स्वेच्छा से उसकी शिक्षा और/या अन्य उचित खर्चों में उपरोक्त राशि के अतिरिक्त सहायता करने की स्वतंत्रता होगी।

न्यायालय के फैसले पर क्या बोले हसीन जहां के वकील इम्तियाज?

कलकत्ता उच्च न्यायालय के इस आदेश पर हसीन जहां के वकील इम्तियाज अहमद का बयान आया है। उन्होंने कहा– श्यह हसीन जहां के लिए सबसे बेहतरीन पल था। 2018 से 2024 तक, वह दर–दर भटकती रही. .. आखिरकार, कल खुली अदालत में यह फैसला सुनाया गया कि हसीन जहां को 1.5 लाख रुपये और बेटी को 2.5 लाख रुपये (दोनों का भुगतान मासिक आधार पर किया जाएगा) दिए जाएंगे और जब भी बेटी को सहायता की आवश्यकता होगी, तो मोहम्मद शमी उसे सहायता प्रदान करेंगे। उच्च न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट को अंतरिम आदेश के मुख्य आवेदन को छह महीने के भीतर निपटाने का निर्देश दिया है। इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि जब वे रखरखाव पर सुनवाई पूरी करने के लिए ट्रायल कोर्ट लौटेंगे, तो इसे बढ़ाकर 6 लाख रुपये कर दिया जाएगा क्योंकि हसीन जहां ने अपने रखरखाव आवेदन में 7 लाख रुपये और 3 लाख रुपये का दावा किया था।

भारतीय टीम में तीन बदलाव, शार्दुल–सुदर्शन और बुमराह बाहर, दो स्पिनरों के साथ उतरा भारत

बर्मिंघम। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जा रहा है। टॉस हो चुका है और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करेगी। हालांकि, कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि वह भी पहले गेंदबाजी ही करना चाहते थे। गिल ने प्लेइंग–11 में तीन बदलाव की पुष्टि की। गिल ने बताया कि शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन यह मैच नहीं खेल रहे हैं। इनकी जगह नीतीश रेड्डी, आकाश दीप और वॉशिंगटन सुंदर प्लेइंग–11 में आए हैं। गिल ने कहा– बुमराह के वर्कलोड को मैनेज करने के लिए यह फैसला लिया गया है। हमें अच्छा ब्रेक मिला और यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मैच है, लेकिन तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स में होने के कारण, हमें लगता है कि उस पिच में गेंदबाजों के लिए बहुत कुछ होगा। इसलिए हमने बुमराह को वहां इस्तेमाल करने का सोचा है।

सुदर्शन टीम में नहीं, करुण तीसरे नंबर पर खेलेंगे

कुलदीप पर सुंदर को तरजीह देने को लेकर गिल ने कहा, श्हम कुलदीप को खिलाने के लिए आतुर थे, लेकिन पिछले मैच को देखते हुए कि हमारे निचले क्रम ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, इसलिए बल्लेबाजी में कुछ गहराई जोड़ने का फैसला किया और सुंदर को मौका दिया।श सुदर्शन के नहीं खेलने का मतलब है कि करुण तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। लीड्स में पिछले टेस्ट में सुदर्शन और करुण दोनों ही कुछ कमाल नहीं कर पाए थे। दोनों पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे, जबकि दूसरी पारी में सुदर्शन ने 30 और करुण ने 20 रन बनाए थे। वहीं, छठे नंबर पर नीतीश आएंगे। भारतीय टीम के पास इस टेस्ट में गेंदबाजी के छह विकल्प हैं।

प्लेइंग–11 इस प्रकार है

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

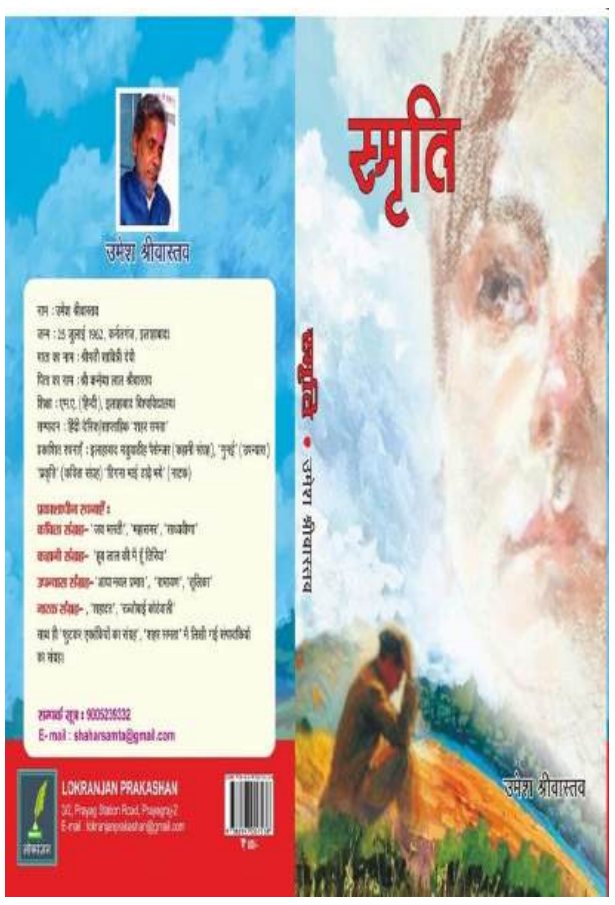

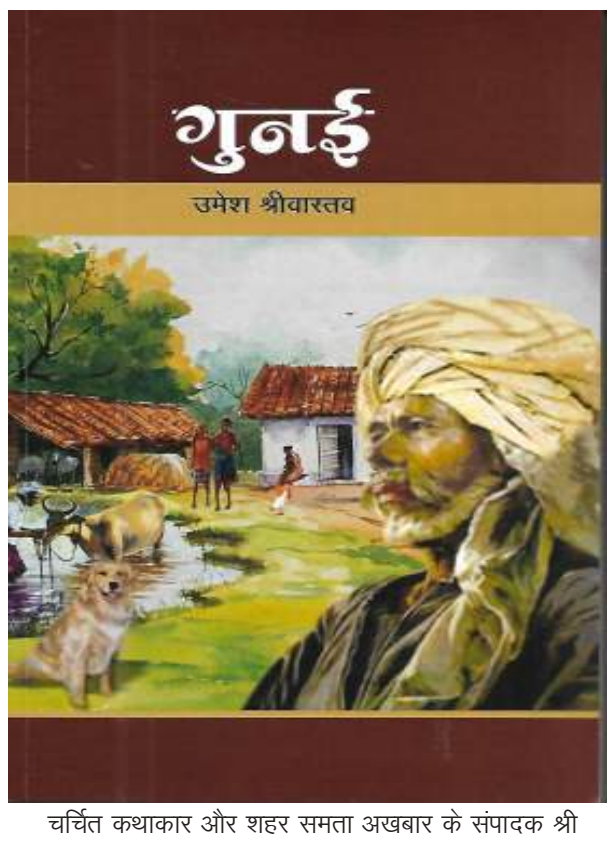

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

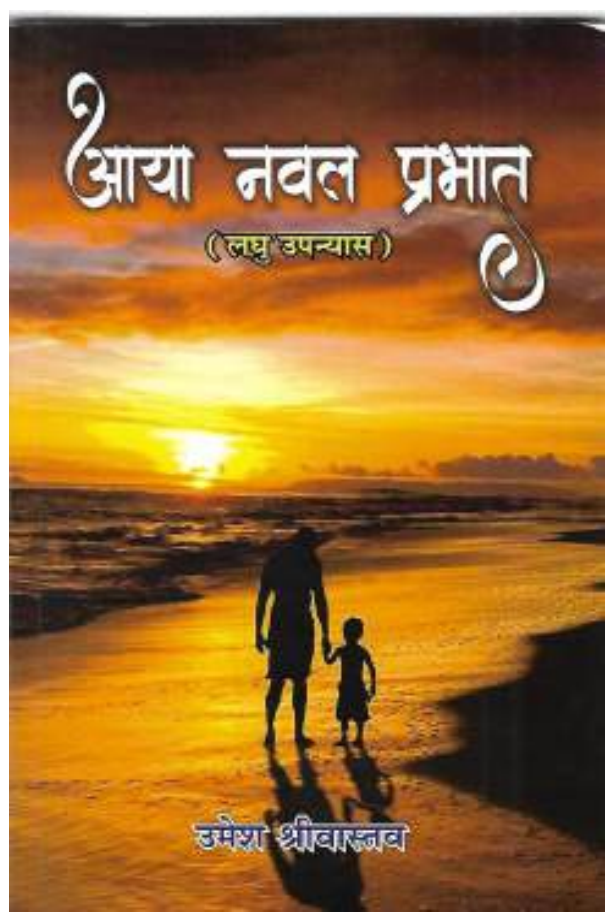

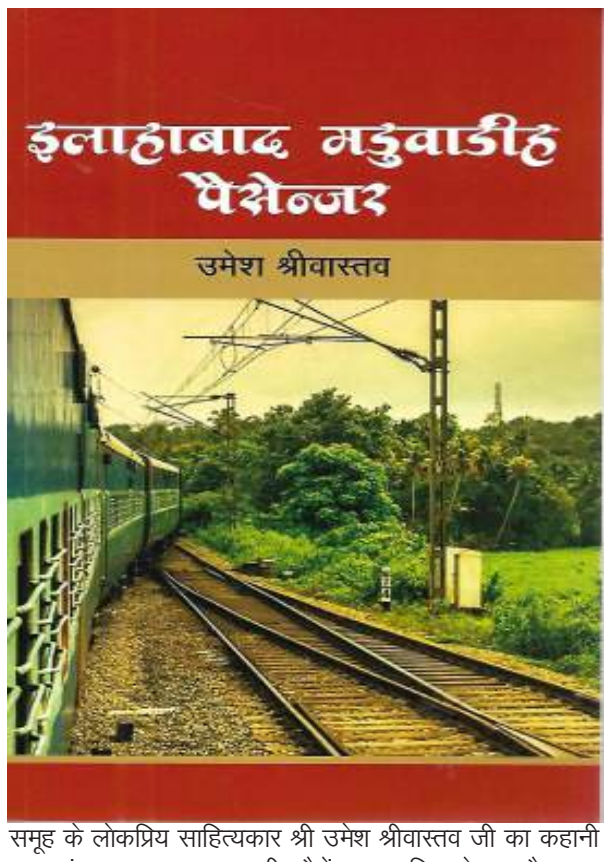

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

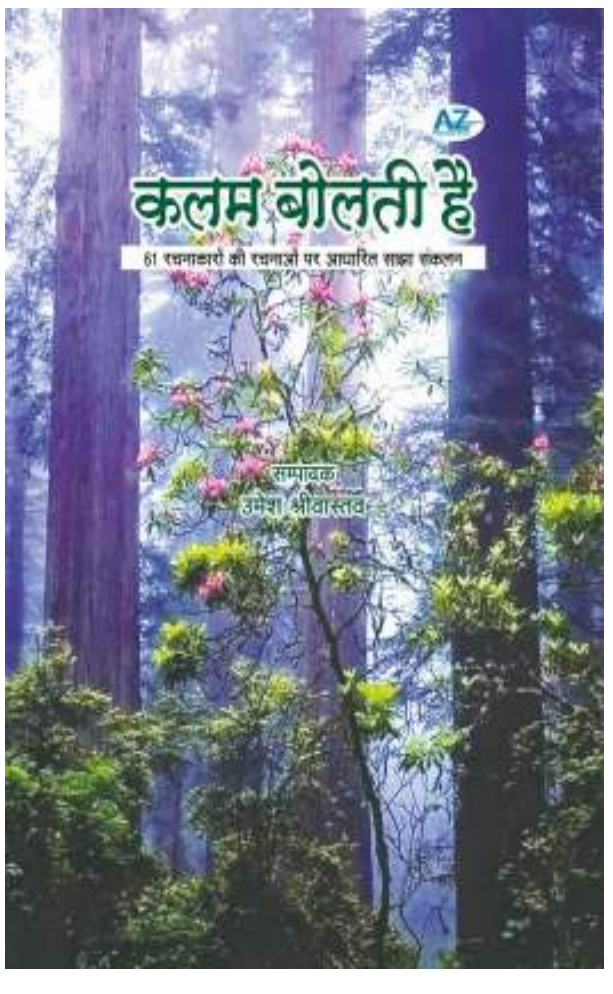

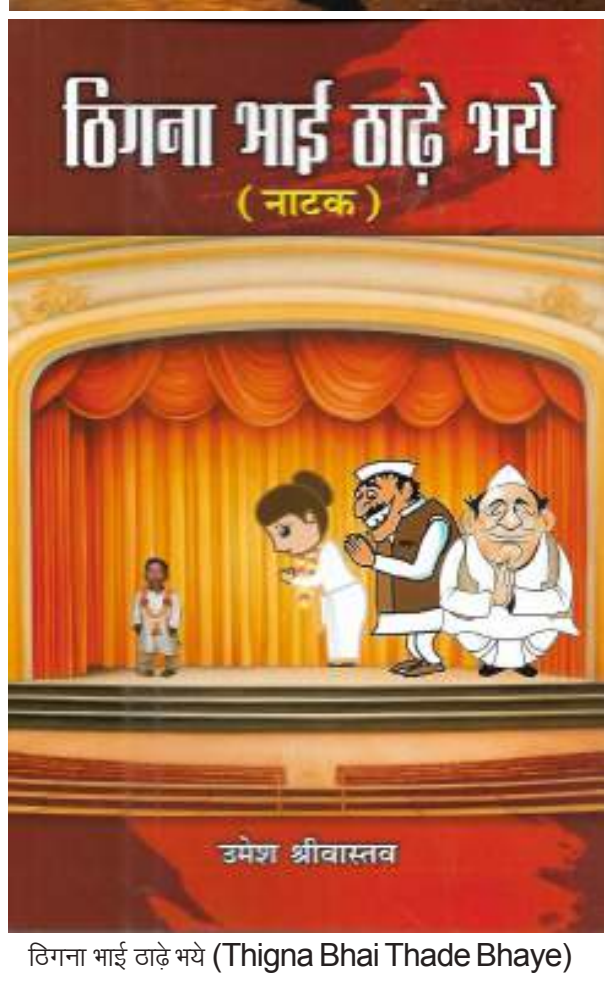

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

एस जयशंकर ने पकिस्तान को दिखाया आइना, कहा- आतंकवाद के खिलाफ हो ''जीरो टॉलरेंस'' नीति

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने मंगलवार को अमेरिकी विदेश विभाग में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों – संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया – ने बुधवार को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। एक संयुक्त बयान में, उन्होंने आग्रह किया कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को बिना देरी के न्याय के कटघरे में लाया जाए।क्वॉड बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद के बदलते स्वरूप और उसके वैश्विक विस्तार की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि आतंकवाद अब केवल एक क्षेत्रीय या सीमित समस्या नहीं रही, बल्कि यह एक वैश्विक खतरा बन चुकी है, जिसका सामना बहुपक्षीय सहयोग और समन्वित रणनीति से ही किया जा सकता है। जयशंकर ने यह भी दोहराया कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध ष्जीरो टॉलरेंसष नीति पर चलता है और उसे समर्थन देने वाले देशों व संगठनों को अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को कभी भी समान नहीं माना जाना चाहिए और भारत को आतंकवादी हमलों से अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के सदस्य देशों अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के विदेश मंत्रियों ने 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का दृढ़तापूर्वक समर्थन किया। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे।चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद समूह 'क्वाड' ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की साजिश रचने वालों, उसे अंजाम देने वालों और इसके वित्त पोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया तथा संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से इस संबंध में सहयोग बढ़ाने की अपील की। हालांकि, संयुक्त बयान में मंत्रियों ने पाकिस्तान का या मई में भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं के बीच चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष का जिक्र नहीं किया। विदेश मंत्रियों ने कहा, ''हम मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और सभी घायलों के शीघ्र एवं पूरी तरह से स्वस्थ होने की कामना करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों, इसे अंजाम देने वालों और वित्तपोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान करते हैं और संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आग्रह करते हैं कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों के तहत अपने दायित्वों के अनुसार इस संबंध में सभी संबंधित प्राधिकारों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करें।''

संक्षिप्त

जल भंडारण क्षमता बढ़ाएगी पाकिस्तान सरकार रू शहबाज शरीफ

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को स्थगित रखे जाने के बीच कहा है कि उनकी सरकार ने जल भंडारण क्षमता बढ़ाने का फैसला किया है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के एक दिन बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक कदम उठाए जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल था। पाकिस्तान की कृषि सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों पर बड़े पैमाने पर निर्भर है और पानी की दिशा

मोड़ने का कोई भी प्रयास या यहां तक घ्धकि इसे अस्थायी रूप से रोकने का प्रयास भी देश के लिए विनाशकारी हो सकता है। सरकारी समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान' ने बताया कि शरीफ ने मंगलवार को राष्ट्रीय आपातकालीन परिचालन केंद्र के दौरे के समय जल समस्या पर बात की। शरीफ ने कहा कि ''दुश्मन'' जल संधि के खिलाफ कदम उठाना चाहता है। उन्होंने कहा, ''इसके लिए सरकार ने फैसला किया है कि हम अपना जल भंडारण बनाएंगे।'' उन्होंने कहा कि सरकार दियामर बांध और अन्य संसाधनों का उपयोग करके ''गैर–विवादास्पद जल भंडारण क्षमता'' का निर्माण करेगी। उन्होंने कहा, ''हम अगले कुछ वर्षों में अपने संसाधनों से इस क्षमता का निर्माण करेंगे। इसमें राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है।

नेपाल में मानसून संबंधी आपदाओं में 31 लोगों की मौत, 151 अन्य घायल

नेपाल में 28 मई को मानसून के आगमन के बाद से एक महीने में कम से कम 31 लोगों की जान गई है, जबकि 151 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के प्रवक्ता सुरेश सुनार ने बताया कि 28 मई से 30 जून के बीच देश में मानसून से जुड़ी 682 घटनाएं हुईं, जिनमें बाढ़, भूस्खलन, बिजली गिरना और आंधी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन प्राकृतिक आपदाओं में कम से कम 31 लोगों की जान चली गई, 151 अन्य घायल हुए तथा एक व्यक्ति लापता है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को छह महीने जेल की सजा, अदालत की अवमानना की दोषी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने अदालत की अवमानना घ्धके एक मामले में छह महीने की जेल की सजा सुनाई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाली अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण–1 की तीन सदस्यीय पीठ ने सुनाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यायाधिकरण ने इसी मामले में गाईबांधा के गोविंदगंज निवासी शकील अकंद बुलबुल को भी दो महीने जेल की सजा सुनाई है। यह पहली बार है जब अपदस्थ अवामी लीग नेता को किसी मामले में सजा सुनाई गई है, जब से वह लगभग एक साल पहले देश छोड़कर भाग गई थी। इस साल जून में अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के अभियोजकों ने पिछले साल बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के दौरान हसीना पर मानवता के खिलाफ अपराध का औपचारिक आरोप लगाया। आईसीटी के मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने आरोप लगाया कि हसीना ने अपनी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों पर ष्व्यवस्थित हमलाष किया। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार, 15 जुलाई से 15 अगस्त, 2024 के बीच लगभग 1,400 लोग मारे गए, क्योंकि पिछली सरकार के पतन के बाद भी जवाबी हिंसा जारी रही। बचाव पक्ष के वकील आमिर हुसैन के अनुसार हालाँकि, हसीना ने सभी आरोपों से इनकार किया है, पत्रकारों से कहा कि वह इन आरोपों से उन्हें मुक्त करने के लिए तर्क प्रस्तुत करेंगे। राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बाद अवामी लीग सरकार के नाटकीय पतन के बाद हसीना अगस्त 2024 में भारत पहुंचीं। वह वर्तमान में नई दिल्ली में एक सुरक्षित घर में रह रही हैं।

ब्राजील में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे जिनपिंग, चीन ने बताया कौन लेगा उनकी जगह

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्राजील में होने वाले ठत्प्ै शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक प्रेस कॉफ्रेंस में इस बात की पुष्टि कर दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति जिनपिंग की जगह प्रधानमंत्री ली च्यांग ब्रिक्स शिखर सम्मेलम में चीन का प्रतिनिधित्व करेंगे। हालांकि माओ निंग ने यह नहीं बताया कि जिनपिंग ने इस कार्यक्रम में न शामिल होने का निर्णय क्यों लिया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

इमरान को जेल में किया जा रहा टॉर्चर, मुनीर मरवाना चाहते हैं, पाकिस्तान में इस दावे से मचा हड़कंप

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान ने आरोप लगाया है कि जेल के अंदर पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख की हत्या की साजिश रची जा रही है। मीडिया से बात करते हुए अलीमा ने कई विस्फोटक दावे किए। उन्होंने कहा कि इमरान खान को व्यवस्थित रूप से अलग–थलग किया जा रहा है, उनके बुनियादी अधिकारों को नकारा जा रहा है और पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की योजना के तहत उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

इमरान की जमानत की सुनवाई जानबूझकर टाली जा रही है

अलीमा खान ने इमरान खान की जमानत याचिकाओं को जानबूझकर टाले जाने पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि उनके भाई को बिना किसी उचित सुनवाई या राहत के अनिश्चित काल तक जेल में रखने के लिए कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग किया जा रहा है। उनके अनुसार, इमरान को वे बुनियादी सुविधाएँ भी नहीं मिल रही हैं, जो आम कैदियों को मिलती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार के सदस्यों और वकीलों को भी जेल में जाने से रोका जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अलीमा और उनकी बहन उज्मा खान ने फिर से रावलपिंडी की अदियाला जेल का दौरा किया, लेकिन उन्हें इमरान खान से मिलने की अनुमति नहीं दी गई, जिससे उनकी स्थिति और सुरक्षा को लेकर और भी आशंकाएँ बढ़ गई हैं।

अलीमा ने असीम मुनीर पर मार्शल लॉ लागू करने का आरोप लगाया

देश में शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान पर सीधा निशाना साधते हुए अलीमा खान ने आरोप लगाया कि सेना प्रमुख मुनीर ने पाकिस्तान में अघोषित मार्शल लॉ लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका अब स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर रही है और सेना के दबाव में काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि इमरान खान को राजनीतिक रूप से नष्ट करने के लिए उन्हें अलग–थलग किया जा रहा है और यहां तक घ्धकि जेल में यातना भी दी जा रही है। उन्होंने दावा किया कि हालांकि जेल की कोठरी में पंखा और कूलर उपलब्ध कराने के लिए अदालती आदेश जारी किए गए थे, लेकिन बिजली की आपूर्ति जानबूझकर काट दी गई थी। इसके अलावा, डॉक्टरों और वकीलों को उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही है, उन्होंने कहा, उन्हें डर है कि किसी भी समय जेल से बुरी खबर आ सकती है।

इमरान खान जेल कैसे पहुँचे?

इमरान खान की सत्ता में गिरावट 2022 में शुरू हुई, जबकि उन्हें 2018 में सेना द्वारा सत्ता में लाया गया था। उनके और तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के बीच तनाव के कारण अंततः उनकी सरकार गिर गई। 9 मई, 2022 को यह स्थिति तब आई जब खान को अदालत में पेश होने से पहले ही गिरफ़्तार कर लिया गया, जिसके बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन भी शुरू हो गए। खान की च्ज् पार्टी के समर्थकों ने सैन्य छावनियों और यहाँ तक कि जनरलों के घरों पर भी हमला किया।

गाजा में 60 दिन के युद्ध विराम के लिए सहमत हुआ इजरायल

ट्रंप की हमास को चेतावनी– समझौते को नहीं माना तो हालात और बिगड़ जाएंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इजरायल ने गाजा में 60 दिनों के युद्ध विराम के लिए ष्आवश्यक शर्तोंष पर सहमति जताई है और हमास को चेतावनी दी है कि स्थिति बिगड़ने से पहले वह इस समझौते को स्वीकार कर ले। ट्रंप ने यह घोषणा उस समय की जब वह सोमवार को व्हाइट हाउस में चर्चा के लिए

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मिलने की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिकी नेता इजरायल सरकार और हमास पर युद्ध विराम और बंधक समझौते के लिए मध्यस्थता करने और गाजा में युद्ध को समाप्त करने के लिए दबाव बढ़ा रहे हैं।

यह और भी बदतर हो जाएगा

ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किए गए एक बयान में ट्रंप ने दावा किया मेरे प्रतिनिधियों ने आज गाजा पर इजरायलियों के साथ एक लंबी और उत्पादक बैठक की। इजरायल ने 60 दिन के युद्ध विराम को अंतिम रूप देने के लिए आवश्यक शर्तों पर सहमति व्यक्त की है, जिसके दौरान हम युद्ध को समाप्त करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कतर और मिस्र के लोग, जिन्होंने शांति लाने में बहुत मेहनत की है, इस अंतिम प्रस्ताव को पेश करेंगे। हमास से इस समझौते को स्वीकार करने का आग्रह करते हुए, क्योंकि अगर यह नहीं हुआ तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी। ट्रंप ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मध्य पूर्व की भलाई के लिए हमास इस समझौते को स्वीकार करेगा, क्योंकि यह बेहतर नहीं होगा – यह और भी बदतर हो जाएगा। इस मामले पर आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

60–दिवसीय युद्ध विराम प्रस्ताव

सीएनएन की एक रिपोर्ट ने पहले संकेत दिया था कि कतर के अधिकारियों ने मंगलवार को इजरायल और हमास दोनों के सामने 60–दिवसीय युद्ध विराम का नया प्रस्ताव पेश किया था, जिसका उद्देश्य गाजा में संघर्ष को रोकना है। इस योजना को कथित तौर पर ट्रम्प प्रशासन का समर्थन प्राप्त है। पिछला युद्ध विराम, डोनाल्ड ट्रम्प के व्हाइट हाउस में लौटने से ठीक एक दिन पहले 19 जनवरी को शुरू हुआ था, मार्च तक चला। शत्रुता तब फिर से शुरू हुई जब इजरायल ने हमास पर समझौते की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए अपने आक्रमण को फिर से शुरू किया। तब से, फिलिस्तीनियों को मानवीय सहायता पहुँचाना बंद हो गया है।

हमास सभी बंधकों को रिहा करने को तैयार है, लेकिन...

इससे पहले, हमास ने युद्ध को समाप्त करने के लिए एक व्यापक समझौते के हिस्से के रूप में गाजा में बंद शेष बंधकों को रिहा करने की इच्छा व्यक्त की थी। हालाँकि, इज़राइल ने कहा है कि संघर्ष तभी समाप्त हो सकता है जब हमास को पूरी तरह से निरस्त्र कर दिया जाए और उसे नष्ट कर दिया जाए, एक शर्त जिसे हमास ने दृढ़ता से अस्वीकार कर दिया है, और हथियार डालने से इनकार कर दिया है।

वाशिंगटन में अपना मुख्यालय नई जगह पर शिफ्ट कर रही एफबीआई

एफबीआई ने मंगलवार को कहा कि वह अपना मुख्यालय अपने वर्तमान मुख्यालय से कई ब्लॉक दूर वाशिंगटन के किसी अन्य स्थान पर ले जा रही है। एफबीआई और जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि अब नया मुख्यालय रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग परिसर में होगा। अभी एफबीआई का ऑफिस पेंसिल्वेनिया एवेन्यू पर है, जिसे 1975 में बनाया गया था। पहले बाइडन प्रशासन ने योजना बनाई थी कि एफबीआई को मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट शहर में ले जाया जाएगा। लेकिन अब योजना बदल गई है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि एफबीआई का मुख्यालय शहर से बाहर ले जाना बहुत समय और अरबों डॉलर खर्च करने वाला काम होता, इसलिए इसे वाशिंगटन में ही शिफ्ट किया जा रहा है।

अब अमेरिकियों को ही देश से बाहर करने लगे ट्रंप, डिपोर्टेशन पर बताया अपनी सरकार का अगला टारगेट

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कुछ अमेरिकी नागरिकों को निर्वासित करने का आह्वान किया, जिन्होंने श्बेसबॉल बैट से लोगों को मारनेश जैसे अपराध किए हैं। फ्लोरिडा में प्रवासी हिरासत केंद्र के दौरे के दौरान ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, ष्ये हमारे देश के लिए नए नहीं हैं। वे हमारे देश के लिए पुराने हैं। उनमें से कई हमारे देश में पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरों के सिर पर बेसबॉल बैट मारकर या चाकू मारकर हत्या

करते हैं, उन्हें अमेरिका से बाहर निकाल दिया जाना चाहिए। ट्रंप ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि अगर आप सच जानना चाहते हैं तो हमें उन्हें यहां से भी निकाल देना चाहिए। तो शायद यही अगला काम होगा। रिपब्लिकन ने न्यूयॉर्क का भी ज़िक्र किया और कहा कि शहर में ऐसी कई घटनाएँ हुई हैं, जो उनके अनुसार दुर्घटनाएँ नहीं थीं। उन्होंने कहा कि भले ही हम उन्हें भूल जाएँ, लेकिन न्यूयॉर्क में कुछ बहुत बुरी दुर्घटनाएँ हुई हैं। वे दुर्घटनाएँ नहीं थीं। अमेरिकी न्याय विभाग ने पिछले महीने एक ज्ञापन जारी किया था जिसमें कहा गया था कि वह कुछ लोगों की नागरिकता रद्द कर देगा, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने अपराध किए हैं, जासूसी की है, या जानबूझकर गलत जानकारी देकर महत्वपूर्ण तथ्य छिपाए हैं। मेमो में कहा गया कि युद्ध अपराध, न्यायेतर हत्या या अन्य गंभीर मानवाधिकार हनन में संलिप्त व्यक्तियों की नागरिकता रद्द कर दी जाएगी; प्राकृतिक अपराधियों, गिरोह के सदस्यों या वास्तव में, ऐसे किसी भी व्यक्ति को नागरिकता से हटा दिया जाएगा जो संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए खतरा पैदा करने वाले अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया हो; तथा दोषी ठहराए गए आतंकवादियों को अमेरिकी धरती पर लौटने या अमेरिकी पासपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा करने से रोका जाएगा। एक्सियोस द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, विभाग ने 1990 से 2017 के बीच लगभग 305 लोगों को नागरिकता से वंचित किया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यदि इसे लागू किया गया तो डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के इस कदम से 25 मिलियन अमेरिकी नागरिक प्रभावित होंगे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

द्विपक्षीय बैठक में ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री ने कहा– भारत के साथ रिश्ते हुए मजबूत

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने मंगलवार को अमेरिकी विदेश विभाग में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। इस दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने ट्वीट किया, हमेशा की तरह ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री सीनेटर पेनी वोंग से मिलकर अच्छा लगा। हमारी चर्चा हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के भरोसे और सहजता को दर्शाती है। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान अपने उद्घाटन भाषण में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, ष्हम शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे और हम आज की चर्चाओं को परिणामों के रूप में लेने के लिए तत्पर हैं। यह हमारे लिए हमेशा एक अच्छा अवसर होता है कि हम बैठकर अपने कार्यों पर चर्चा करें।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।